* वर्ष 36 * अंक 38 * ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 07 संवत् 2083 * सूरत * रविवार 07 जून 2026 * पृष्ठ 8 * मूल्य रु. 3.00 * SRT-719 (2024-2026)

SINCE 1992
■916 होल मार्क गोल्ड ज्वैलरी
■हर एक प्रकार की ज्वैलरी उपलब्ध चेन, ब्रेसलेट नेकलेस, बैंगल्स,
■स्पेशियल मारवाड़ी वेराईटी राखड़ी, बाजू, पोची, कंदोरा
वेडिंग कलेक्शन उपलब्ध
Raaj Ratan JEWELLERS
3/140, "Raaj Ratan House", Opp. Surat People's Bank
Parsi Sheri, Navapura, Bhagal, SURAT.
Ph.: 0261-2424567 (M) +91 91068 74229
Email: rrj_ 140@yahoo.com

लोकतेज

संस्थापक : प्रा. घनश्यामप्रसाद सनाढ्य * संपादक : कुलदीप सनाढ्य, सह–संपादक : भटु पाटिल

लोकतेज
35 वीं
वर्षगांठ
आज अखबार प्रकाशन के 35 वर्ष पूरे कर 36वें वर्ष में मंगल प्रवेश है।
सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों का आभार।
साढ़े तीन दशकों से लगातार आपके मिल रहे समर्थन और सहयोग की हम कद्र करते हैं।
LOKTEJ.COM | ENGLISH.LOKTEJ.COM | EPAPER.LOKTEJ.COM

* ताप्तीलोक पब्लिकेशन्स : 3-4, गंगोत्री एपार्टमेंट, न्यू सिविल रोड, सूरत * फोन : (0261) 2235238, टेली फेक्स : (0261) 2234504 * ई-मेल : loktejsurat@gmail.com * आर.एन.आई. नं.: 61977/91

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन शांति पूर्वक संपन्न

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन, पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके अमेरिका से दिल्ली लौटे और वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा; अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

नई दिल्ली। NEET पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

CJI को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोनम वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गए। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे। प्रदर्शन खत्म होने के बाद अभिजीत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि वे अपने माता-पिता से मिलने घर जा रहे हैं।

महाराष्ट्र के रहने वाले अभिजीत AAP जुड़े रहे

30 साल के अभिजीत महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की प ?ाई की है। फिलहाल, अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशंस से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक आम आदमी पार्टी (AAP) के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत AAP के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर अभिजीत X अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं।

प्रदर्शन शामिल हुए सोनम वांगचुक

प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, CPI(ML) लिबरेशन के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, CPI नेता एनी राजा और वामपंथी छात्र और युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष IIT कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं। CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

सीमा सुरक्षा में बड़ा बदलाव : घुसपैठ रोकने के लिए शुरू होगी 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना

शाह ने कहा, सीमा सुरक्षा को मजबूत करना केंद्र की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में

नई दिल्ली, 06 जून (वेब वार्ता)। पूर्वोत्तर की सीमाओं को अधिक सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि जल्द ही देश की सीमाओं पर सात से आठ स्थानों पर 'स्मार्ट बॉर्डर' पायलट परियोजना शुरू होगी। इस योजना का उद्देश्य घुसपैठ, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से रोक लगाना है।

त्रिपुरा के लंकामुरा सीमा चौकी पर बीएसएफ जवानों को संबोधित केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि सरकार सीमा पार से होने वाली घुसपैठ के जरिए किसी भी प्रकार के जनसांख्यिकीय बदलाव को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि चाहे त्रिपुरा हो, बंगाल हो या बिहार, सीमा सुरक्षा को मजबूत करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

केंद्रीय गृह मंत्री के अनुसार, स्मार्ट बॉर्डर परियोजना में आधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासनिक संसाधनों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। यह योजना मौजूदा बाड़बंदी व्यवस्था का पूरक होगी और सीमाओं को अधिक प्रभावी ढंग से सुरक्षित बनाने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि परियोजना की रूपरेखा करीब अंतिम चरण में है और शुरुआती चुनौतियों को दूर करने के बाद पूरे सीमा क्षेत्र में लागू होगी।

न्यूज गैलरी

संदेशखाली में बंगाल एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, टीएमसी नेता के तालाब से हथियारों का जखीरा बरामद

कोलकाता, 06 जून (वेब वार्ता)। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में शनिवार सुबह पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने तृणमूल कांग्रेस के एक नेता के तालाब में छिपाकर रखे गए हथियारों और कारतूसों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुप्त सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर, एसटीएफ के जांचकर्ताओं ने शनिवार सुबह उस इलाके में छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान अधिकारियों को तालाब से हथियारों का एक जखीरा मिला।

मानसून की बढ़ी रफ्तार: अगले 3 दिनों में महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा पहुंचने के आसार

नई दिल्ली, 06 जून (वेब वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और अगले दो से तीन दिनों में इसके कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गोवा तथा बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार अनुकूल परिस्थितियों के चलते मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे देश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने के संकेत हैं। मानसून की इस सक्रियता का सबसे अधिक असर फिलहाल केरल में देखने को मिल रहा है, जहां आगामी दो दिनों के दौरान बारिश और तेज होने के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले सात दिनों में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में 7 से 20 सेंटीमीटर तक भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की है।

रिवरफ्रंट और जीटीयू परिसर के प्रोजेक्ट का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

गांधीनगर, 06 जून (वेब वार्ता)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में चल रहीं महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेने के लिए विभिन्न स्थलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद से गांधीनगर तक विकसित किए जा रहे साबरमती रिवरफ्रंट परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साबरमती रिवरफ्रंट विकास परियोजना के तीनों चरणों का स्थल निरीक्षण किया।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच पीएम मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की बैठक

नई दिल्ली, 06 जून (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में देश की आर्थिक विकास गति को बनाए रखने, अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा पश्चिम एशिया संकट के बीच उभरती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

बैठक में ऐसे समय में आर्थिक विकास को और तेज करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया, जब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कमजोर मांग जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी और आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों ने कठिन वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत की विकास दर को बनाए रखने और व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी नीतिगत कदमों पर अपने विचार साझा किए।

बैठक में लोगों के जीवन को आसान बनाने और कारोबार करने में सहूलियत बढ़ाने से जुड़े सुधारों पर भी चर्चा हुई। विचार-विमर्श का केंद्र शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना, अनुपालन संबंधी बोझ को कम करना और निवेश तथा उद्यमिता के लिए बेहतर माहौल तैयार करना रहा।

अंतिम संस्कार के लिए जा रहे एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

चंडीगढ़, 06 जून (वेब वार्ता)। पंजाब के फिरोजपुर जिले में शनिवार को एक पिकअप गाड़ी और एक भारी ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जलालाबाद गांव के एक ही परिवार के लगभग 25 लोग अमृतसर जिले के ब्यास में एक धार्मिक स्थल पर परिवार के एक सदस्य का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। यह हादसा सुबह करीब 5:40 बजे फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर हुआ। पिक-अप गाड़ी और ट्रक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिक-अप गाड़ी घिसटती चली गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस, राहगीरों और स्थानीय लोगों को गाड़ी के अंदर फंसे कई लोगों को बाहर निकालने के लिए क्षतिग्रस्त गाड़ी के हिस्सों को काटना पड़ा। पिक-अप गाड़ी में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

बंगाल में जिनके नाम एसआईआर में कटे अब उनके होंगे राशन कार्ड रद्द

कोलकाता, 06 जून (वेब वार्ता)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के खजाने पर बढ़ रहे अतिरिक्त वित्तीय बोझ को कम करने और सरकारी योजनाओं में हो रही धांधली को रोकने के लिए अभियान शुरू किया है। सरकार ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की खाद्य साथी योजना के तहत मुफ्त और सस्ते अनाज का लाभ ले रहे अपात्र और फर्जी लाभार्थियों को बाहर करने का फैसला किया है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के मुताबिक एसआईआर के नतीजों के आधार पर उन सभी राशन कार्डों को चिह्नित कर डिलीट किया जाएगा जो नियमों के तहत अयोग्य पाए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आदेश में साफ कहा गया है कि एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से जिन 63 लाख लोगों के नाम हटाए गए हैं, उनकी पहचान की जाएगी और उनके राशन कार्ड रद्द किए जाएंगे। हालांकि, सरकार ने इसमें एक मानवीय और कानूनी पहलू को भी शामिल किया है। आदेश में कहा गया है कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कटे हैं।

राज्यसभा चुनावः जादुई आंकड़े से 15 सांसद दूर है एनडीए

18 जून को मतदान इसी दिन आ जाएंगे परिणाम

नई दिल्ली, 06 जून (वेब वार्ता)। राज्यसभा के लिए 18 जून को मतदान होने जा रहा है। 10 राज्यों के 24 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में किसको कितनी सीटें मिलेंगी इसको लेकर भी गुणाभाग शुरु हो गया है। खास बात है कि यह चुनाव केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए के लिए बेहद अहम होने जा रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि उच्च सदन में एनडीए दो तिहाई के आंकड़े से महज 15 सांसद दूर है। अब सवाल है कि गठबंधन का सबसे बड़ा सदस्य भारतीय जनता पार्टी कितनी सीटें जीत सकती है।

सबसे पहले बात करते है राज्यों की खाली सीटों पर, आंध्र प्रदेश और गुजरात में 4-4 सीटों पर चुनाव होने हैं। जबकि, मध्य प्रदेश और राजस्थान में प्रत्येक में 3 सीटों पर चुनाव हैं। इसके अलावा मणिपुर, मेघालाय में 1-1, झारखंड में 2, अरुणाचल प्रदेश में 1, कर्नाटक में 4 और मिजोरम की 1 सीट पर चुनाव होगा। साथ ही 2 राज्यसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी वोट डाले जाएंगे।

245 सदस्यों वाले राज्यसभा में एनडीए के पास कुल 148 सांसद हैं। इनमें से सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के पास 113 सांसद हैं। अब इस गठबंधन को दो तिहाई का जादुई आंकड़ा छूने के लिए 15 और सांसदों की जरूरत है। खास बात है कि कोई भी संविधान संशोधन बिल पार कराने के लिए सरकार को दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। हालांकि, कहा जा रहा है कि इस चुनाव में एनडीए का इस आंकड़े तक पहुंचना तय नहीं है।

Bishandayal Jewellers
(Diliphhai)
UG-1/3, Sarela Shopping Centre, Ghod Dod Road, Surat. Ph : 2668811, 9825140506
916 होलमार्क ज्वैलरी
एन्टिक डिज़ाइन ज्वैलरी
प्रेझन्टेशन आर्टीकल्स
सोने की लगड़ी और गिन्नी
सोने की एवं चांदी की ज्वैलरी
डायमंड ज्वैलरी
चांदी का सिक्का, लगड़ी एवं बर्तन

Nirvana Farms
ધોળાપીપળા આમરી રોડ, આમરી, નવસારી.
પ્રકૃતિની વચ્ચે શાંતિપૂર્ણ જીવનનો અનોખો અનુભવ
* નદી કિનારે પ્રીમીયમ ફાર્મ (બંગલા તેમજ સ્વીમીંગ પુલ સાથે)
* સુરત શહેરથી માત્ર ૨૦ મિનિટનું અંતર
* પ્રાઇમ લોકેશન
* રેડી પઝેશન
વિકેન્ડ હોમ અને ઈન્વેસ્ટમેન્ટ માટે શ્રેષ્ઠ તક
ફક્ત પસંદગીના અને પ્રતિષ્ઠિત ખરીદદારો માટે

only 4 Exclusive Farms
વધુ માહિતી માટે સંપર્ક કરો
+91 93769 39555
SCAN FOR LOCATION

उम्मीदवार घोषित होते ही सम्राट चौधी से मिलने पहुंचे पवन सिंह

पटना (एजेंसी)। भोजपुरी सिनेमा के चर्चित अभिनेता और गायक पवन सिंह अब सक्रिय राजनीति में नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। भाजपा ने उन्हें बिहार विधान परिषद के लिए उम्मीदवार बनाया है। शनिवार को पवन सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर आगामी राजनीतिक जिम्मेदारियों पर चर्चा की। करीब 30 मिनट चली इस मुलाकात के बाद पवन सिंह ने बताया कि विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि वह 8 जून को विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। पवन सिंह ने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलने से पहले उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी से भी मुलाकात की। पवन सिंह ने भाजपा को अपनी मां बताते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें सम्मान और जिम्मेदारी दोनों दिए हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने का उनका उद्देश्य केवल जनसेवा है और वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के समर्थन में उनके गीत जोड़ी मोदी और नीतीश जी के हिट होई को काफी लोकप्रियता मिली थी। अब जबकि वो खुद सक्रिय राजनीति में कदम रखने को तैयार हैं तो ऐसे में उनकी राजनीतिक भूमिका पर सबकी नजरें टिक गई हैं।

मंदिर जा रहे दंपति को ट्रक ने कुचला, दोनों की मौत

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार दंपति की मौत हो गई। सिद्धनाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे पति-पत्नी को एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान चकेरी थाना क्षेत्र निवासी सेवानिवृत्त नगर निगम सफाई सुपरवाइजर लक्ष्मीकांत शर्मा और उनकी पत्नी आशा शर्मा के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार दोनों सुबह मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। सोलंकी धर्मकांटा के पास पीछे से आए ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे, लेकिन एम्बुलेंस आने से पहले ही दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद भाग रहे ट्रक चालक को लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी कैंट अमित चौरसिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

कोटा में मायापुरी अखाड़े के महंत की हत्या से सनसनी , आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव लेने से इंकार

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में मौजूद ऐतिहासिक चंद्रेसल मठ के महंत देवानंद महाराज की हत्या से संत समाज में भारी आक्रोश है। बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में स्थित करीब 1100 वर्ष पुराने मठ में शुक्रवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने सो रहे महंत पर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल महंत को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार रात करीब 12 बजे की है। ग्रामीणों को मठ परिसर में महंत गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। उन्हें कोटा के महाराव भीम सिंह अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने महंत पर गर्दन और पीठ सहित शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से वार किए थे।

जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय देवानंद महाराज मायापुरी अखाड़े से जुड़े थे और मूल रूप से सवाई माधोपुर जिले के रजवाना क्षेत्र के निवासी थे। वह पिछले चार वर्षों से चंद्रेसल मठ में रहकर धार्मिक गतिविधियों का संचालन कर रहे थे। लोगों और संत समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि वारदात के समय मठ में एक अन्य संत नंदनवन महाराज भी मौजूद थे। आरोप है कि बदमाशों ने पहले उन्हें कमरे में बंद कर दिया और फिर महंत के कक्ष में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का काम कर रहे प्रेमानंद महाराज : रामभद्राचार्य

लखनऊ (एजेंसी)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा है कि प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज निश्चित रूप से युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि आज कई चर्चित हस्तियां, जिसमें क्रिकेटर विराट कोहली भी शामिल हैं, प्रेमानंद महाराज के पास मार्गदर्शन लेने पहुंचे हैं, जिससे युवाओं में भी धर्म के प्रति रुचि बढ़ रही है।

लखनऊ में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान रामभद्राचार्य ने सनातन धर्म, रामराज्य और संन्यासियों की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि किसी भी संन्यासी का मूल धर्म साधना करना और समाज को सही दिशा देना होता है। राजनीति को मार्गदर्शन देना संतों का दायित्व हो सकता है, लेकिन सक्रिय राजनीति करना उनका कार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई लोग राजनीति की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जबकि संन्यासियों को अपने आध्यात्मिक कर्तव्यों पर केंद्रित रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक अपवाद बताकर कहा कि वे राजर्षि की भूमिका में कार्य कर रहे हैं और जनहित में अच्छा काम कर रहे हैं।

रामभद्राचार्य ने रामराज्य की अवधारणा पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि रामराज्य का मूल भाव आपसी प्रेम, सामाजिक समरसता और कर्तव्य पालन में निहित है। उनके अनुसार, ऐसा समाज होना चाहिए जहां कोई किसी के अधिकारों का हनन न करे और सभी अपने धर्म एवं जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से भी भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनना चाहिए। देश को आयात पर निर्भर रहने के बजाय निर्यातक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। यही वास्तविक अर्थों में रामराज्य की परिकल्पना है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार बरसी पर स्वर्ण मंदिर परिसर में लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

अकाल तख्त साहिब पर भारी भीड़ जुटी, भिंडरावाले के बड़े-बड़े पोस्टर लहराए

अमृतसर (एजेंसी)। भारतीय इतिहास के सबसे संवेदनशील सैन्य अभियानों में से एक ऑपरेशन ब्लू स्टार की आज 42वीं बरसी है। इस मौके पर पंजाब के अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर परिसर में फिर अलगाववादी स्वर सुनाई दिए। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक पीठ श्री अकाल तख्त साहिब पर भीड़ जमा हुई, जहां जरनैल सिंह भिंडरावाले के समर्थन में पोस्टर लहराए गए और खालिस्तान के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई। श्री अकाल तख्त साहिब के पास इकट्ठा हुए चरमपंथी और सिख संगठनों के समर्थकों ने हाथों में तख्तियां और जरनैल सिंह भिंडरावाले के बड़े-बड़े पोस्टर ले रखे थे। इस दौरान खालिस्तान जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों और कई संगठनों द्वारा हर साल 6 जून को विशेष अरदास की जाती है, जिसमें जरनैल सिंह भिंडरावाले और ऑपरेशन के दौरान मारे गए अन्य लोगों को याद किया जाता है। बरसी की संवेदनशीलता को देखते हुए हर साल की तरह पंजाब पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा अमृतसर और विशेषकर स्वर्ण मंदिर के आसपास सुरक्षा के कड़ी कर दी गई हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके और शांति कायम रहे।

बता दें ऑपरेशन ब्लू स्टार भारतीय सेना द्वारा 1 से 8 जून 1984 के बीच चलाया गया एक बड़ा

सैन्य अभियान था। तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के निर्देश पर सेना ने अमृतसर के हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) परिसर को जरनैल सिंह भिंडरावाले और उनके हथियारबंद समर्थकों के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए यह अभियान चलाया था। सेना की भारी गोलीबारी और कार्रवाई के दौरान 6 जून 1984 को भिंडरावाले की मौत हो गई थी। इस सैन्य कार्रवाई में अकाल तख्त साहिब की इमारत को नुकसान पहुंचा था। समूचे सिख समुदाय ने इसे हरमंदिर साहिब की बेअदबी माना और इंदिरा गांधी को इस कदम की कीमत अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ी थी। आज 42 साल बाद भी इस सैन्य ऑपरेशन की बरसी पर होने वाली यह गहमागहमी इस बात का संकेत है कि पंजाब के इतिहास का यह पन्ना आज भी संवेदनशील और भावनात्मक बना हुआ है।

बता दें जरनैल सिंह भिंडरावाले का असली नाम जरनैल सिंह बराड़ था। वह सिखों की प्रमुख रूढ़िवादी धार्मिक संस्था दमदमी टकसाल का प्रमुख और 1980 के दशक में पंजाब का एक विवादास्पद कट्टरपंथी नेता था। 1978 में सिख-निरंकारी हिंसक झड़प के बाद वह प्रमुखता से उभरा। उसने आनंदपुर साहिब प्रस्ताव का आक्रामक रूप से समर्थन किया। 80 के दशक की शुरुआत में उसके भाषणों ने पंजाब में उग्रवाद को भड़काया और उसके समर्थकों पर कई हिंसक वारदातों और हत्याओं के आरोप लगे। पुलिस कार्रवाई से बचने और अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए भिंडरावाले ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में हथियारों के साथ अपना मजबूत ठिकाना बना लिया था उसे और उसके सशस्त्र समर्थकों को वहां से निकालने के लिए ही भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया, जिसमें 6 जून 1984 को वह मारा गया। मौत के बाद, वह अलगाववादी खालिस्तान आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा बन गया।

अन्नामलाई के नई पार्टी लॉन्च करते ही 10 घंटे में 10 लाख लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के मुताबिक आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के अंदर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। अन्नामलाई ने 2 जून को बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई बीजेपी नेताओं ने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है। अन्नामलाई ने बीजेपी से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की। सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा कि आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं। हमारी पार्टी तमिलनाडु में 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने 'वी द लीडर्स' नाम से नया प्लेटफॉर्म और वेबसाइट भी लॉन्च की। इसके साथ ही कोयंबटूर में एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इथि?क्स एंड पॉलिटिक्स संस्थान भी स्थापित करने की घोषणा की है। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राजनीति के तौर-तरीकों को बेहतर बनाना था। जनता दशकों से चली आ रही आम राजनीति से ऊब गई है। बदलाव चाहती है। बीजेपी आलाकमान से मतभेद थे। उनके विचार हमसे नहीं मिलते रहे थे। मैं उस सोच को बदलना चाहता था, जिसके मुताबिक राजनीति रईसों और कुछ खास लोगों के लिए है, आम आदमी के लिए नहीं। मेरे आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति पूजा और सत्ता में परिवारवाद को खारिज कर सियासी तस्वीर बदलना है। इस आंदोलन का उद्देश्य मौजूदा पार्टियों से काम्पिटीशन किए बिना लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता देना है। उन्होंने कहा कि यह तय करना मुश्किल था कि बीजेपी में रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा दूंगा। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं।

22 सांसद टीएमसी तोड़ने को तैयार, शुभेंदु अधिकारी ने दिल्ली में डाला डेरा

-बंगाल बीजेपी अध्यक्ष बोले- हां, फोन आ रहे हैं, टीएमसी सांसद हमसे कर रहे संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने और विधायकों की बगावत के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के वजूद पर खतरा मंडरा रहा है। दिल्ली में टीएमसी के संसदीय दल में एक बड़ी टूट की पटकथा लिखी जा चुकी है। खबर है कि अगले हफ्ते की शुरुआत में जब ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचेंगे तब पार्टी के कम से कम 22 सांसद बागी होकर खुद को असली टीएमसी घोषित कर सकते हैं।

खबरों के मुताबिक संसद में होने वाले इस तख्तापलट और बागी गुट का नेतृत्व बारासात से लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार कर रही हैं। इनमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदन के सांसद हैं। इस सियासी हलचल के बीच पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य इस वक्त दिल्ली में ही डेरा डाले हुए हैं। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हां, फोन कॉल्स आ रहे हैं। तृणमूल के सांसद लगातार हमसे संपर्क कर रहे हैं। टीएमसी अब बीते कल की बात हो चुकी है। निकट भविष्य में यह इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगी।

बीजेपी की राष्ट्रीय महासचिव लॉकेट चटर्जी ने भी इस कहा कि 4 मई के चुनावी नतीजों के बाद से ही कई सांसद हमारे साथ लगातार संपर्क में हैं। टेक्स्ट मैसेज, व्हाट्सएप, कॉल्स...क्या कुछ नहीं हो रहा है। वे बस पाला बदलना चाहते हैं। संसद में आधिकारिक तौर पर विभाजन को मान्यता दिलाने और दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता से बचने के लिए बागी धड़े को दो-तिहाई बहुमत की जरुरत होगी। हाजी नुरुल इस्लाम के निधन के बाद लोकसभा में टीएमसी के 28 सदस्य हैं, जबकि राज्यसभा में उसके 13 सदस्य हैं। कोलकाता की तर्ज पर दिल्ली में खेल करने के लिए बागियों को कम से कम 19 लोकसभा और 9 राज्यसभा सांसदों के समर्थन की जरुरत होगी। सूत्रों के मुताबिक बागी खेमे में इस वक्त दोनों सदनों को मिलाकर 22 सांसदों का आंकड़ा तैयार हो चुका है। टीएमसी के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने भी इस संभावित टूट की पुष्टि करते हुए कहा कि संसदीय दल का बिखराव अब अनिवार्य है। शुक्रवार को कई सांसदों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो 16 में से 15 सांसदों के फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहे थे। इनमें कई मनोरंजन जगत के सितारे, पूर्व खिलाड़ी और पहली बार जीते सांसद शामिल हैं।

आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, हमें इस मंच से मिटा नहीं सकते

सीजेपी संस्थापक अभिजीत ने जंतर-मंतर से भरी हुंकार, शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। उन्होंने कहा कि मेरे दोस्तों, यह एक लंबा संघर्ष है। सोशल मीडिया पर प्रधान के इस्तीफे की मांग शुरू किए हुए एक महीना हो गया है, लेकिन ये लोग इतने बेशर्म हैं कि कार्रवाई करने के बजाय, वे अन्य कामों में लगे हैं, जैसे हमारे अकाउंट हैक करना और हमारी पोस्ट को डिलीट करवाना। आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, लेकिन आप हमें इस मंच से मिटा नहीं सकते उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक जल्द ही प्रदर्शन में शामिल होंगे और उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि देश का युवा अब नहीं डरेगा। वहीं बड़ी संख्या में एकत्र हुए छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। सुबह दिल्ली पहुंचे दीपके ने समर्थकों से अनुशासन बनाए रखने और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखने का आग्रह किया। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी इस प्रदर्शन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अगर दीपके को गिरफ्तार किया गया तो वह छह

सप्ताह का अनशन करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के मद्देनजर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को कॉकरोच जनता पार्ट के संस्थापक अभिजीत दीपके प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए जिनमें अधिकतर युवा हैं। इनमें से कई लोग कॉकरोच के मुखौटे पहने नजर आए और उनके हाथों में फूल थे। स्कूली छात्र भी अपने माता-पिता के साथ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे। इसमें शामिल लोगों में ज्यादातर स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्रा और युवा हैं।

दीपके ने एक्स पर एक पोस्ट में जंतर-मंतर पर समर्थकों से मुलाकात को लेकर उत्सुकता व्यक्त की और उन्हें एक किताब और राष्ट्रीय ध्वज लाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रदर्शन में हिस्सा लेने आने वाले लोगों से पुलिसकर्मियों को करुणा और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में फूल देने आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन प्रेम और शांति के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा- मैं पहुंच गया।

बता दें यह प्रदर्शन सीजेपी द्वारा आयोजित किया जा रहा है जो युवाओं के नेतृत्व वाली एक ऑनलाइन मुहिम है। इस प्रदर्शन के जरिए सीजेपी नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और एसएससी समेत कई भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के लिए जवाबदेही की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के मद्देनजर कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत उनकी मांगों पर ध्यान देने के बजाय संगठन की सोशल मीडिया पर ज्यादा ध्यान दे रही है। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व आप नेता योगेंद्र यादव ने अपना समर्थन दिया है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के लिए कविता पढ़कर उनका उत्साह बढ़ाया।

सुरक्षा गार्डों की फायरिंग मामले में घिरे खान सर

-मामला दर्ज होने के बाद सर हुए भूमिगत

पटना (एजेंसी)। देश भर में चर्चित बिहार के कोचिंग शिक्षक फैसल खान उर्फ खान सर इस समय गंभीर कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। उनके सुरक्षा कर्मियों द्वारा की गई फायरिंग के मामले में खान सर के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। पुलिस की बढ़ती दबिश के बीच उनके कभी भी गिरफ्तार होने की संभावना जताई जा रही है, जिसके चलते खान सर फिलहाल भूमिगत हो गए हैं। बीती रात पटना पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी करती रही, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इस बीच कयास लगाए जा रहे हैं कि वे गिरफ्तारी से बचने के लिए सीधे अदालत में आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

दूसरी तरफ, इस बड़ी कार्रवाई के बाद खान सर के कोचिंग संस्थान खान ग्लोबल स्टडीज के बाहर रात भर उनके समर्थकों और छात्रों की भारी भीड़ जमा रही। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस

की गाड़ियां लगातार इलाके में गश्त करती रहीं। छात्रों के भारी हुजूम और संभावित आक्रोश को भांपते हुए प्रशासन बेहद फूंक-फूंककर कदम रख रहा है। शनिवार सुबह से ही कोचिंग सेंटर के आसपास सुरक्षा बलों की तैनाती काफी बढ़ा दी गई है, क्योंकि वहां छात्रों का जुटना लगातार जारी है। सूत्रों के मुताबिक, खान सर इस समय अपने वकीलों के जरिए कानूनी सलाह ले रहे हैं।

इस पूरे विवाद में नया मोड़ गुरुवार को तब आया, जब कोचिंग सेंटर पर हुए हमले के दौरान खान सर के निजी सुरक्षा गार्डों द्वारा फायरिंग करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो गार्डों को गिरफ्तार कर उनके हथियार जब्त कर लिए। पूछताछ में दोनों गार्डों ने स्वीकार किया कि उन्होंने खान सर के आदेश पर ही गोलियां चलाई थीं। इस कबूलनामे के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और पटना आईजी की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसके बाद खान सर पर शिकंजा कस दिया गया।

पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और पुलिस अन्य पुख्ता सबूत जुटा रही है। जांच में जिनके खिलाफ भी साक्ष्य मिलेंगे, उन्हें निश्चित रूप से गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि पुलिस कानून-व्यवस्था बिगड़ने के डर से फूंक-फूंक कर बयान दे रही है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि खान सर की गिरफ्तारी तय मानी जा रही है। इससे पहले एक अन्य कोचिंग संचालक रोशन सर को भी इन्हीं गंभीर आरोपों के तहत जेल भेजा जा चुका है, जिसके कारण पुलिस सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सावधानी बरत रही है।

नड्डा ने खड़गे पर किया पलटवार, कहा- अधूरा ज्ञान देशहित के लिए खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के आंकड़ों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े छिपाने के आरोप लगाए जाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने तीखा जवाब देते हुए कहा कि अधूरी जानकारी के आधार पर राजनीति की जा सकती है, लेकिन देश का भला तथ्यों से होता है।

दरअसल, खड़गे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा था, कि केंद्र सरकार महिलाओं और बच्चों से जुड़े स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े छिपा रही है। उन्होंने दावा किया कि एनएफएचएस-6 के आंकड़े सरकार की नीतिगत विफलताओं को उजागर करते हैं और इसी कारण उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए नड्डा ने कहा कि जनस्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इसे केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनएफएचएस-6 का डेटा भारत के स्वास्थ्य तंत्र में हुए व्यापक सुधारों और बदलावों को दर्शाता है। स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उनके अनुसार, पहली तिमाही में प्रसव-पूर्व पंजीकरण का प्रतिशत 43.9 से बढ़कर 76.2 हो गया है। वहीं संस्थागत प्रसव का आंकड़ा 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 90.6 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इसके अलावा प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में होने वाले जन्मों का प्रतिशत 46.6 से बढ़कर 91.3 तक पहुंच गया है। नड्डा ने कहा कि लाखों महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित प्रसव सेवाएं मिल रही हैं, जो देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि भारत की स्वास्थ्य यात्रा की असली कहानी प्रगति और सुधार की है, न कि निराशा की।

10 जून को पीएम मोदी रचेंगे इतिहास, जवाहरलाल नेहरू का तोड़ेंगे रिकॉर्ड

-सबसे लंबे समय तक लगातार पीएम पद पर बने रहने वाले बन जाएंगे नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 10 जून को भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय रचने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक दिन पर, वे स्वतंत्र भारत के इतिहास में लोकसभा चुनाव जीतकर सबसे लंबे समय तक लगातार पीएम पद पर बने रहने वाले नेता बन जाएंगे। इस उपलब्धि के साथ, नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 72 साल पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे, जो कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश हो सकता है।

जवाहरलाल नेहरू 13 मई, 1952 को पहले आम चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद देश के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने 27 मई, 1964 को अपने निधन तक लगातार पद संभाला, और इस अवधि में उनका कार्यकाल कुल 4,397 दिनों का रहा। यह रिकॉर्ड अब तक भारत के किसी भी निर्वाचित प्रधानमंत्री द्वारा लगातार पद पर बने रहने का सबसे लंबा समय था।

वहीं, नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यदि वे अपना वर्तमान कार्यकाल पूरा करते हैं, तो 9 जून, 2026 को उनका कार्यकाल भी 4,397 दिनों का हो जाएगा, जो नेहरू के रिकॉर्ड के ठीक बराबर होगा। इसके ठीक अगले दिन, यानी 10 जून, 2026 को, प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल 4,398 दिनों का हो जाएगा। इसी के साथ वे निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर बने रहने वाले पहले नेता बन जाएंगे, एक ऐसा कीर्तिमान जो पहले कभी किसी ने नहीं बनाया।

पिछले कुछ वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस काल के कई बड़े राजनीतिक रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। जुलाई 2025 में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लगातार 4,077 दिनों तक प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। उस समय, वे लगातार कार्यकाल के मामले में नेहरू के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए थे, और अब वे नेहरू के इस विशिष्ट रिकॉर्ड को भी पार करने के लिए तैयार हैं।

हालांकि, कुल प्रधानमंत्री कार्यकाल के मामले में जवाहरलाल नेहरू अभी भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। नेहरू 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने थे और 27 मई, 1964 तक इस पद पर रहे। इस प्रकार, उनका कुल कार्यकाल लगभग 6,131 दिनों का रहा, जो आज भी भारत में किसी भी प्रधानमंत्री का सबसे लंबा कार्यकाल है। यह महत्वपूर्ण है कि 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतंत्रता के समय देश में संविधान लागू नहीं हुआ था और न ही स्वतंत्र भारत के लिए कोई आम चुनाव हुआ था। 1946 में ब्रिटिश सरकार द्वारा संविधान सभा के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके बाद कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू को अपना नेता चुना।

इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ-साथ, पीएम मोदी ने एक और अहम कीर्तिमान अपने नाम किया है। वे लगातार तीसरी बार बहुमत से सत्ता में लौटने वाले पहले गैर-कांग्रेसी पीएम बने हैं। उन्होंने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज कर तीसरी बार पीएम का पद संभाला, जो

स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक अद्वितीय राजनीतिक उपलब्धि है।

एनटीपीसी झनोर में बालिका सशक्तिकरण मिशन (GEM) 2026 का भव्य समापन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, आत्मरक्षा प्रदर्शन और प्रेरक संदेशों के बीच प्रतिभागी बालिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए

लोकतेज, सूरत। एनटीपीसी झनोर में बालिका सशक्तिकरण मिशन (त्रश्वरू) 2026 का समापन समारोह उत्साह, उमंग एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ई. सत्य फणि कुमार, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पश्चिम-द्ब) एवं सीईओ (क्क्र) तथा श्रीमती ई. सरोजा, अध्यक्षा, सखी महिला समिति उपस्थित रहीं।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं बालिकाओं की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। प्रतिभागी बालिकाओं ने स्वच्छता, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक उन्मूलन एवं कचरा प्रबंधन जैसे सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियाँ दीं। इसके अतिरिक्त योग, आत्मरक्षा प्रदर्शन, देशभक्ति गीत एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने एक माह के प्रशिक्षण के दौरान अर्जित अनुभवों एवं कौशलों को साझा किया।

अपने संबोधन में ई. सत्य फणि कुमार ने कहा कि 90,807 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ एनटीपीसी देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ बालिका सशक्तिकरण मिशन जैसी सामाजिक पहलों के माध्यम से समुदाय के समग्र विकास एवं जनकल्याण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने बालिकाओं के आत्मविश्वास, प्रतिभा एवं उत्साह की सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को बधाई दी। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख, झनोर ने कहा कि बालिकाओं की क्षमता और संभावनाओं पर हमें प्रारंभ से ही पूर्ण विश्वास था। यह कार्यशाला उनके सपनों को साकार करने की दिशा में एक मजबूत नींव सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि अब इस नींव को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों की है। हमें विश्वास है कि भविष्य में ये बालिकाएँ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर इस अनुभव को गर्व के साथ याद करेंगी। कार्यक्रम के दौरान त्रश्वरू 2022 की प्रतिभागी ध्रुवी चंद्रकांत माछी ने अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए तथा विशिष्ट अतिथियों को अपनी बनाई हुई पेंटिंग्स भेंट कीं। इस अवसर पर त्रश्वरू 2026 स्मारिका (बुकलेट) का विमोचन भी किया गया तथा सभी प्रतिभागी बालिकाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समारोह का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। अभिभावकों ने एनटीपीसी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उनकी बेटियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास वृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वराछा को-ऑपरेटिव बैंक को राष्ट्रीय स्तर पर तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार

'बेस्ट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक', 'बेस्ट डिजिटल बैंक ऑफ द ईयर' और 'बेस्ट मोबाइल बैंकिंग इनिशिएटिव' अवॉर्ड से सम्मानित

लोकतेज, सूरत। गुजरात के अग्रणी मल्टी-स्टेट शेड्यूल्ड को-ऑपरेटिव बैंक, वराछा को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। बैंक को 'भारत रत्न को-ऑपरेटिव अवॉर्ड्स-2026' के तहत तीन प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित होटल रामाडा एवं कन्वेंशन सेंटर में 5 से 7 जून, 2026 तक आयोजित भारत को-ऑपरेटिव बैंकिंग समिट-2026 के दौरान प्रदान किए गए।

बैंक को 'बेस्ट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक', 'बेस्ट डिजिटल बैंक ऑफ द ईयर' तथा 'बेस्ट मोबाइल बैंकिंग इनिशिएटिव' श्रेणियों में विजेता घोषित किया गया। ये पुरस्कार बैंक द्वारा पिछले तीन दशकों में अपने सदस्यों, ग्राहकों एवं समाज को प्रदान की गई उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल बैंकिंग क्षेत्र में नवाचार तथा आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग की राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता का प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 'शेड्यूल्ड बैंक' का दर्जा प्रदान किया गया है, जो उसकी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। इसके तुरंत बाद प्राप्त हुए ये तीन राष्ट्रीय पुरस्कार बैंक की उपलब्धियों में एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ते हैं। पुरस्कार

समारोह में बैंक के चेयरमैन नरेंद्रभाई कुकड़िया, डिप्टी जनरल मैनेजर सुरेशभाई काकड़िया तथा आईटी मैनेजर केतनभाई भालाला ने बैंक की ओर से सम्मान ग्रहण किया।

इस अवसर पर चेयरमैन नरेंद्रभाई कुकड़िया ने कहा कि बैंक 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यवसाय के साथ निरंतर प्रगति कर रहा है और ग्राहकों को बेहतर डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सदैव सकारात्मक सोच के साथ कार्यरत रहेगा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय बैंक के सभी निदेशकों, प्रबंधन सदस्यों एवं कर्मचारियों की समर्पित कार्यशैली को जाता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बैंक नवाचार, पारदर्शिता और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के मूल्यों के साथ भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा। साथ ही उन्होंने बैंक के सभी निदेशकों, प्रबंधन सदस्यों, सभासदों, खाताधारकों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी।

महिला स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर पुनागाम में विशेष सेमिनार आयोजित

एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. आकांक्षा पठारिया ने महिलाओं को विभिन्न रोगों, सावधानियों और बचाव के उपायों की दी जानकारी; मेयर मायाबेन मावाणी ने किया उद्घाटन

लोकेतज, सूरत। सामाजिक कार्यकर्ता नीलेश धीरूभाई जिकादरा के नेतृत्व में पुनागाम स्थित शिशुकुंज विद्यसंकुल में महिलाओं के स्वास्थ्य और जागरूकता को समर्पित एक विशेष महिला रोग जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, उनके समय पर निदान और बचाव के प्रति जागरूक बनाना था।

सेमिनार की मुख्य वक्ता दक्षिण गुजरात की पहली हार्मोन एवं डायबिटीज विशेषज्ञ एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. आकांक्षा पठारिया ने महिलाओं को हार्मोनल असंतुलन, डायबिटीज, महिला स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न

बीमारियों, उनकी पहचान, सावधानियों तथा उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन सूरत की महापौर मायाबेन मावाणी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इलाज से बेहतर बचाव की कहावत ऐसे आयोजनों के माध्यम से सार्थक होती है। उन्होंने महिलाओं से स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, सरकार और नगर निगम की विभिन्न महिला कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने तथा आत्मनिर्भर और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सूरत नगर निगम की पार्षद संगीताबेन परमार ने भी महिलाओं को आत्म-सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर जानकारी दी।

सूरत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में जेंडर सेंसिटाइज़ेशन और POSH एक्ट पर सेमिनार 'भरोसा' ऑर्गनाइज़ किया गया

लोकतेज संवाददाता, सूरत। सूरत डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी ने तारीख 30-05-2026 को सूरत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर में एक सेमिनार भरोसा ऑर्गनाइज़ किया। इस सेमिनार का मुख्य मकसद जेंडर सेंसिटाइजेशन (जेंडर सेंसिटिविटी) और वर्कप्लेस पर महिलाओं के सेक्शुअल हैरेसमेंट की रोकथाम एक्ट (POSH एक्ट) के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

यह प्रोग्राम गुजरात हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल और दूसरे जजों की देखरेख में ऑर्गनाइज़ किया गया था। प्रोग्राम NALSA के एक गाने और उससे जुड़े वीडियो के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (ICC) की चेयरपर्सन सुश्री एस. वी. मुदलियार ने वेलकम स्पीच दी। सेमिनार में कीनोट स्पीकर महेंद्र मकवाना और एडवोकेट श्रीमती प्रीतिबेन जोशी शामिल हुईं,

जिन्होंने POSH एक्ट के नियमों और महिलाओं की सुरक्षा पर डिटेल में गाइडेंस दी। प्रोग्राम के आखिर में, सूरत के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज आर. ए. त्रिवेदी ने कानून लागू करने और सुरक्षित माहौल के महत्व पर ज़ोर दिया।

आईसीएमएआई ने जारी किया जून 2026 सीएमए परीक्षाओं का कार्यक्रम

14 जून को होगी सीएमए फाउंडेशन परीक्षा, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं 11 से 18 जून तक; अगस्त में घोषित होंगे परिणाम

लोकतेज, सूरत। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) ने जून 2026 में आयोजित होने वाली सीएमए फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। संस्थान द्वारा ये परीक्षाएं प्रत्येक वर्ष दो बार आयोजित की जाती हैं, जिनमें पहला सत्र जून और दूसरा दिसंबर में होता है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, सीएमए फाउंडेशन परीक्षा 14 जून को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के पेपर-1 और पेपर-2 सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा पेपर-3 और पेपर-4 दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक होंगे।

वहीं, सीएमए इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं 11 जून से प्रारंभ होकर 18 जून तक चलेंगी। फाइनल परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित किया गया है, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। आईसीएमएआई ने परीक्षा परिणामों की संभावित तिथियां भी घोषित कर दी हैं। फाउंडेशन परीक्षा का परिणाम 9 जुलाई तक जारी किए जाने की संभावना है, जबकि इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के परिणाम 5 अगस्त तक घोषित किए जाएंगे।

श्री खेड़ापति बालाजी सेवा समिति का वार्षिक महोत्सव आज

लोकतेज, सूरत। श्री खेड़ापति बालाजी सेवा समिति, सूरत (1995) का 30वां वार्षिक महोत्सव 7 जून को मनाया जायेगा। समिति के अध्यक्ष बिहारीलाल पोद्दार एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सिहोटिया ने बताया कि समिति का यह 30वां वार्षिक महोत्सव है जो सिटीलाइट स्थित देवसर माता मंदिर के बैंक्वेट हॉल में मनाया जायेगा। शाम 4=15 बजे बालाजी महाराज की ज्योत प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी, जो देर रात करीब 10 बजे तक चलेगा। इसमें बाबा का अलौकिक श्रृंगार, अखण्ड ज्योत, छप्पन भोग, पुष्पवर्षा व इत्र फुहार आदि मुख्य आकर्षण के केंद्र रहेंगे। बाबा का खजाना लक्की ड्रा के माध्यम से रखा गया है। भजनों की प्रस्तुति सूरत के राकेश अग्रवाल,अजित दाधीच एवं मनीष सिंगडोदिया देंगे। कार्यक्रम में आने वाले सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था भी रखी गई है

शॉप्सी जेन ज़ी और भारत के अगले 10 करोड़ खरीदारों के लिए एआई-आधारित, एंगेजमेंट-आधारित कॉमर्स प्लेटफॉर्म बना

लोकतेज सूरत। फ्लिपकार्ट की शॉप्सी, जो भारत के सबसे तेजी से बढ़ते हाइपरवैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से एक है, ने आज अपने नए एआई-आधारित शॉप्सी ऐप के लॉन्च की घोषणा की। यह प्लेटफॉर्म अब सिर्फ ऑफर्स पर आधारित शॉपिंग प्लेटफॉर्म नहीं रहा, बल्कि एक आकर्षक, इनाम देने वाला गेमिफाइड अनुभव बन गया है, जिसे भारत के अगले 10 करोड़ खरीदारों के लिए तैयार किया गया है। ये युवा, महत्वाकांक्षी और कीमत को लेकर सजग उपभोक्ता हैं, जो मेट्रो और टियर 2+ शहरों में रहते हैं और ऑनलाइन शॉपिंग के तरीके को बदल रहे हैं।

भारत में कॉमर्स की अगली लहर-शॉप्सी जिस जरूरत को पूरा करता है : भारत के ई-कॉमर्स बाजार को तीन बड़े बदलाव नया रूप दे रहे हैं- टियर 2+ शहर अब नए खरीदारों की बढ़त में 65त्र हिस्सा दे रहे हैं; जेन ज़ी, जिनकी खोज करने की आदतें अलग हैं, भारत के कुल ऑनलाइन खरीदारों में लगभग आधे हैं; और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भरोसे की कमी अभी भी बनी हुई है। शॉप्सी का नया ऐप इन बदलावों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह सोशल डिस्कवरी, वीडियो-आधारित प्रोडक्ट अनुभव, पर्सनलाइजेशन और गेमिफाइड रिवॉर्ड सिस्टम को एक साथ जोड़ता है, जिससे जेन ज़ी और भारत के अगले 10 करोड़ खरीदारों के लिए एक आसान और सहज शॉपिंग अनुभव तैयार होता है। यह प्लेटफॉर्म ग्राहक तक उनके अपने तरीके से पहुंचता है और खरीदारी से पहले ही उनका भरोसा जीतता है। एआई-आधारित स्मार्ट शॉपिंग, जो खरीद से पहले भरोसा बनाती है।

शाओमी इंडिया ने लाइका के साथ मिलकर शाओमी 17टी लॉन्च किया

लोकतेज, सूरत। शाओमी इंडिया ने आज शाओमी 17टी लॉन्च करने की घोषणा की। यह शानदार फ्लैगशिप डिज़ाइन में बेहतरीन इमेजिंग, शानदार एंटरटेनमेंट, ज़बरदस्त परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ का मेल है। लाइका-पावर्ड इमेजिंग, आंखों का ध्यान रखने वाली डिस्प्ले और बड़ी क्षमता वाली बैटरी के साथ, शाओमी 17टी को बिना किसी समझौते के प्रीमियम स्मार्टफ़ोन अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हर पल की एक कहानी होती है। उन सभी पलों को कैद करें। ज़िंदगी शायद ही कभी सही शॉट का इंतज़ार करती है। चाहे वह अचानक की गई रोड ट्रिप हो, देर रात का कॉन्सर्ट हो, परिवार का कोई जश्न हो, या एक पल के लिए दिखने वाला कोई भाव हो, शाओमी 17टी यूज़र्स को उन पलों को ठीक वैसे ही कैद करने में मदद करता है जैसे वे होते हैं। शाओमी 17टी में लाइका लाइव मोमेंट भी पेश किया गया है, जो एक नया इमेजिंग अनुभव है और सिर्फ एक फोटो से कहीं ज़्यादा है। सिर्फ खास पल को कैद करने के बजाय, लाइका लाइव मोमेंट उस पल तक की हलचल, भावना और माहौल को भी सुरक्षित रखता है, जिससे रोज़मर्रा की यादें और भी बेहतर विज़ुअल कहानियों में बदल जाती हैं। चाहे बच्चे का पहला कदम हो, स्टेज पर कोई कलाकार हो, या दोस्तों का हंसी-मज़ाक हो, हर फ्रेम ज़्यादा जीवंत और असली लगता है। पोर्ट्रेट पसंद करने वालों के लिए, लाइका लाइव प्रोर्टेरेट नैचुरल डेप्थ और सिनेमैटिक लुक जोड़ता है, जिससे ऐसी तस्वीरें बनती हैं जो प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लगती हैं।

शाओमी 17टी के फोक्स में लाइका-पावर्ड ट्रिपल कैमरा सिस्टम है, जिसमें 50एमपी का मेन कैमरा और शाओमी टी सीरीज़ में पहली बार लाइका 5एक्स पेरिस्कोप टेलीफ़ोटो कैमरा दिया गया है।

मारवाड़ी युवा मंच, सूरत शाखा ने भेस्तान रेलवे स्टेशन पर स्थायी प्याऊ का किया उद्घाटन

लोकतेज, सूरत। राष्ट्रीय प्रकल्प अमृत धारा के अंतर्गत मारवाड़ी युवा मंच, सूरत शाखा द्वारा भेस्तान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर स्थापित स्थायी प्याऊ का उद्घाटन किया गया। यह पहल यात्रियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराएगी, जिससे विशेषकर गर्मी के मौसम में हजारों लोगों को राहत मिलेगी और जनसेवा को नई मजबूती मिलेगी।

प्याऊ का लोकार्पण विधायक मन्नू भाई पटेल, पूर्व भाजपा सूरत महामंत्री किशोर बिंदल तथा दानदाता संदीप शाह की गरिमामयी उपस्थिति में

समाज को समर्पित किया गया।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष अभिषेक खेतान, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश सुल्तानिया, राहुल बजाज, प्रकाश बिंदल, गणेश अग्रवाल, सुशांत बजाज, कौशल गोयल, पंकज जलान , अमित केडिया, कन्वीनर राजेश डालमिया, अक्षत खेतान, अमित मस्कारा, पीयूष तांतिया एवं रजनीश खेतान सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। मंच ने सहयोग एवं उपस्थिति प्रदान करने वाले सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

भव्य शोभायात्रा के साथ पांच दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का शुभारंभ

संत अलकाजी ने बताया श्रीराम कथा का महात्म्य, कहा– कथा जीवन को धर्म और कल्याण का मार्ग दिखाती है

लोकतेज, सूरत। वेसू स्थित कैपिटल ग्रीन सोसाइटी बैंक्वेट हॉल में शनिवार से पांच दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का शुभारंभ भव्य शोभायात्रा एवं कलश पूजन के साथ हुआ। कथा के प्रथम दिवस व्यासपीठ से पूज्या संत अलकाजी ने श्रीराम कथा का महात्म्य बताते हुए श्रद्धालुओं को इसके आध्यात्मिक एवं जीवनोपयोगी महत्व से अवगत कराया। कथा प्रारंभ होने से पूर्व संत अलकाजी के सान्निध्य में विधिवत कलश पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात निकाली गई शोभायात्रा जीण माता मंदिर, देवसर माता प्रांगण एवं मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के समीप से विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए कथा स्थल पहुंची। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भक्ति गीतों और जयघोषों से पूरा वातावरण राममय हो उठा।

प्रथम दिवस की कथा में संत अलकाजी ने कहा कि श्रीराम कथा का श्रवण जीव के कल्याण का माध्यम है। कथा केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि उसके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने के लिए है। उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा मनुष्य को भवसागर से पार लगाने का मार्ग प्रशस्त करती है तथा जीवन में सत्य, मर्यादा और धर्म का संदेश देती है।

गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु कोई व्यक्ति विशेष नहीं, बल्कि एक दिव्य तत्व है, जो जीवन में आनंद, मंगल और कल्याण का संचार करता है। उन्होंने संत समाज को चलता-फिरता प्रयागराज बताते हुए संतों के सान्निध्य के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

श्रीराम कथा महोत्सव के प्रमुख मनोरथी कौशल्या देवी गिलड़ा, वासुदेव गिलड़ा, सर्वेश्वर गिलड़ा, गीता देवी अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, सचिन अग्रवाल एवं नितिन अग्रवाल हैं। कथा के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ प्राप्त किया। आयोजकों के अनुसार श्रीराम कथा महोत्सव प्रतिदिन दोपहर 3=30 बजे से सायं 6=30 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लघु उद्योग भारती ने किया वृक्षारोपण

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, जन्मदिन और स्मृति दिवस पर एक वृक्ष लगाने का लिया संकल्प

लोकतेज, सूरत। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लघु उद्योग भारती, सूरत द्वारा अध्यक्ष रामावतार पारीक के नेतृत्व में रुंगटा ग्रीन होम सोसाइटी के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा समाज को हरित भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा।

लघु उद्योग भारती के संयुक्त सचिव पंकज शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तन अभियान के पांच प्रमुख सूत्रों में पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि संघ परिवार से संबद्ध उद्यमियों एवं व्यवसायिक बंधुओं की संस्था होने के नाते लघु उद्योग भारती पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम का शुभारंभ एक नन्ही बालिका के करकमलों द्वारा वृक्षारोपण कर किया गया। इस

अवसर पर उपस्थित लोगों ने अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ तथा परिजनों की स्मृति में प्रतिवर्ष कम से कम एक वृक्ष लगाने एवं उसके संरक्षण का संकल्प लिया।

इस दौरान लघु उद्योग भारती, सूरत के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्वर्गीय विक्रम सिंह शेखावत की स्मृति में भी एक पौधा रोपित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सदस्यों ने उनके सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का साधन नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की अमूल्य धरोहर भी हैं। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण का आह्वान करते हुए पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया।

कार्यक्रम में बजरंग सोनी, मूलाराम छाजेड़, पूनमचंद जैन, रमेशचंद्र शर्मा, तंसुखलाल राठी, दिनेशभाई यादव, रमेश चावड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे। रुंगटा ग्रीन होम सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महावीर इंटरनेशनल वीरा दृष्टि ने किया पौधारोपण

उधना रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, अधिकाधिक वृक्ष लगाने का लिया संकल्प

लोकतेज, सूरत। महावीर इंटरनेशनल वीरा दृष्टि, सूरत द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उधना रेलवे स्टेशन परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए समाज को प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर विशेष अतिथि गणेश जाधव (मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, सूरत रेलवे) उपस्थित रहे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति बसंत खेतान (पेड़ मैन, सूरत) की रही। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर किए जा रहे अपने प्रयासों की जानकारी देते हुए वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाने का संदेश दिया। महावीर इंटरनेशनल वीरा दृष्टि, सूरत की

जोन चेयरपर्सन वीरा निशा सेठिया, सचिव वीरा स्मृति जैन, सलाहकार वीरा मीनाक्षी जैन के साथ कार्यक्रम संयोजिका वीरा लता जैन और वीरा नीलम डांगा के द्वारा उपस्थित रेलवे स्टेशन के पदाधिकारी तथा अतिथियों का सम्मान खेस और मोमेंटो के साथ स्वागत किया गया । तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों एवं रेलवे अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न पौधों का रोपण किया। सभी ने पर्यावरण को स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

गजट प्रकाशन

न्यायालय सब जज 1

मोकाम आरा

टी0 एस0 नं0-167/2025

शौकत अली.......... मुदई।

बनाम्

इरफान अली वगैरह........ मुदालय।

गजट प्रकाशन

गजट बनाम् :- आफताब आलम पिता स्व0 अशरफ अली साकिन-बैठी कॉलोनी लिम्बायत, सूरत, गुजरात ।

चूँ आप को इस गजट प्रकाशन द्वारा सूचित किया जाता है कि आप **दिनांक 24.06.2026** को **7.30 बजे** दिन में न्यायालय में हाजिर होकर अपना उचित पैरवी करे। अन्यथा कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जायेगी। इसे अत्यन्त आवश्यक समझे ।

सब जज-प्रथम भोजपुर आरा

01.06.2026

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है।

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम 'खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो 'मिलावट-मुक्त भारत' को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। 'शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार', यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

धीमे जहर के कारोबारी

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं?

पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं। पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है? यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन-देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं। अन्यथा ये सच कभी अनावृत न होते। ऐसी ही कोई कारगर तकनीक मिलावट रोकेगी। जयपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दिनों पैकेज्ड फूड आइटम्स पर लिखी एक्सपायरी डेट मिटाने वाले अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए।

चिंतन-मनन

इच्छाएं जीवात्मा को मोह से बांधे रखती हैं

इंद्रियां, मन और बुद्धि काम-वासना के निवास-स्थान कहे जाते हैं। इनके द्वारा ज्ञान को ढककर काम-वासना जीवात्मा को मोहित करती है। कामरूपी दुश्मन का नाश करने के लिए यह पता होना जरूरी है कि यह रहता कहां है। इसलिए कृष्ण कह रहे हैं कि काम-वासना किसी एक जगह नहीं रहती, बल्कि यह तो हमारे तीनों शरीरों- स्थूल, सूक्ष्म और कारण में निवास करती है। इसकी पकड़ बड़ी मजबूत होती है, इसलिए इसका नाश करना बड़ा मुश्किल है। मिसाल के तौर पर जब काम-वासना इन्द्रियों में जगती है, तब इन्द्रियां बेकाबू हो जाती हैं। जब यह मन में जगती है तो दूसरे काम करते हुए भी मन में काम-वासना के बारे में ही ख्याल चलते रहते हैं। ऐसे वक्ति में दिमाग में केवल काम ही भरी रहती है और बुद्धि दूसरा निर्णय नहीं ले पाती। इसलिए हमारी चेतना की मुख्य जगहों इन्द्रियों, मन और बुद्धि में जैसे ही काम अपना बसेरा डालता है, वहां से ज्ञान गायब हो जाता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े ज्ञानियों में भी जब काम उपजता है तो वह उनके ज्ञान को ढक लेता है। काम का मतलब यहां केवल काम-वासना से ही नहीं, बल्कि हमारी अन्य कामनाओं से भी है। कामनाएं या इच्छाएं जीवन भर इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं और इस वजह से जीवात्मा का संसार को लेकर मोह बना रहता है।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया के चक्कर में फंसी अर्थ -व्यवस्था

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आज देश में एक गंभीर बहस चल रही है। एक पक्ष का मानना है, कि 2004 से 2014 के बीच, विशेषकर 2011 तक, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। उस दौर में भारत की तुलना चीन, अमेरिका, रुस एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ वैश्विक मंचों पर होने लगी थी। सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार ने देश को नई आर्थिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान जब अमेरिका और यूरोप की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ संकट से जूझ रही थीं, तब भारत अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक स्थिति के साथ खड़ा दिखाई दिया। अनेक अर्थशास्त्रियों का मानना था, भारत के विशाल घरेलू बाजार, असंगठित क्षेत्र तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही कारण था, उस समय भारत को वैश्विक आर्थिक क्षेत्र के केंद्र बिन्दू के रूप में देखा जाने लगा था। लेकिन 2011 के बाद भारत का राजनीतिक माहौल तेजी से बदला। भ्रष्टाचार के आरोप, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों तथा अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले जनलोकपाल आंदोलन ने तत्कालीन सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। सरकार की छवि पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। इसमें विदेशी ताकतों का हाथ भी बताया जाता है। कारपोरेट जगत भी मनमोहन सरकार के खिलाफ खड़ा हो गया था। इस तरह से सारा विपक्ष कांग्रेस और मनमोहन के खिलाफ खड़ा हो गया था। अंततः 2014 में सत्ता परिवर्तन हुआ। आलोचकों का आरोप है कि उस समय देश की आडिट रिपोर्ट में लगाए गए कई आर्थिक नुकसान के अनुमान न्यायिक प्रक्रिया में प्रमाणित नहीं हो सके, काल्पनिक आरोपों से तब तक राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदल चुका था।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि पिछले एक दशक में ऐसी नीतियाँ अपनाई गईं, जिनसे बड़े कॉर्पोरेट समूहों को लाभ मिला, जबकि लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। नोटबंदी, जीएसटी के प्रारंभिक क्रियान्वयन और महामारी के प्रभाव ने छोटे व्यवसायों की कमर तोड़ दी। लाखों सूक्ष्म इकाइयाँ बंद हुईं। रोजगार के अवसर सिमटते चले गए। अर्थ- व्यवस्था में एक अन्य चिंता भारत के बढ़ते आयात और घटती विनिर्माण क्षमता को लेकर है। चीन से बड़े पैमाने पर उपभोक्ता वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादों का आयात लगातार बढ़ा है। इसके विपरीत भारत की निर्यात वृद्धि अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाई। इससे व्यापार घाटा बढ़ा है। जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता के दावों पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। बढ़ती बेरोजगारी, महँगाई और घरेलू ऋण चिंता के विषय बने हुए हैं। किसानों को उनकी उपज का मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान कर्जदार और खेती मंहगी होती जा रही है। आम नागरिक की क्रय-शक्ति घट गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न और आवश्यक सेवाएँ लगातार महँगी होती जा रही हैं। दूसरी ओर, शेयर बाजार में तेजी और कॉर्पोरेट मुनाफों के बावजूद आम जनता की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। इससे आर्थिक विकास और सामाजिक वास्तविकताओं के बीच का अंतर बढ़ गया है। आम आदमी की आय में आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया की स्थिति बनी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक नीतियों का केंद्र केवल बड़े निवेश और कॉर्पोरेट लाभ न होकर रोजगार सृजन, लघु उद्योगों का संरक्षण, कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा घरेलू मांग में विस्तार हो। भारत की वास्तविक शक्ति उसके करोड़ों छोटे उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग में निहित है। यदि आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँचता, तो ऊँची विकास दर का सपना- सपना बनकर ही रह जायेगा।

भारत के सामने चुनौती केवल विकास दर बढ़ाने की नहीं, बल्कि समावेशी और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने की है। आने वाले वर्षों में यही तय करेगा कि भारत वैश्विक दौड़ में आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ता है या फिर अवसरों को खोकर नई चुनौतियों में फंसकर रह जाता है। जिस तरह के हालात वर्तमान में देखने को मिल रहे हैं वह चिंता बढ़ाने वाले हैं। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। चुनाव आयोग और न्यायपालिका के फैसलों पर आरोपों की झड़ी लग रही है। डॉलर और युआन के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार घटती चली जा रही है। आयात और निर्यात का अंतर बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण भारत एक ऐसे संकट में फंस गया है, जिससे सभी की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस संकट से देश किस तरह से निकल पाएगा, इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की चिंताएं बढी हुई हैं। वर्तमान आर्थिक स्थिति ने भारत की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चिंता को बढ़ा दिया है।

मालवीय नगर अग्निकांडः मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें—क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है—सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है।

दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है।

दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।नहींः

अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है—क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मालवीय नगर की आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया; उसने हमारी शहरी व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और सुरक्षा संस्कृति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अब समय केवल शोक व्यक्त करने का नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई करने का है। क्योंकि हर हादसे के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यही होता है—क्या हमने उससे कुछ सीखा? यदि इस बार भी उत्तर नहीं रहा, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार कर रही होगी।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें

हम सभी अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम चाहते हैं, लेकिन माता-पिता बनना हमेशा आसान नहीं होता। हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। एक अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। पोषण और प्यार भरी देखभाल एक मजबूत नींव का निर्माण करती है, जिससे आपके बच्चे को एक खुशहाल, स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है।

यहाँ आपके बच्चे और आपके खुद के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में आपकी मदद करने के लिए विशेषज्ञ सुझाव और संसाधन दिए गए हैं। ये सुझाव आपको शरीर की छवि, साथियों के दबाव और बदमाशों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद करेंगे। अपने बच्चे को समझाएं कि मानव शरीर कैसे काम करता है और यौवन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका अनुभव हर कोई करता है। उनके शरीर में भी बदलाव आएगा।

सकारात्मक प्रेरणा

दूसरों में नकारात्मक शारीरिक विशेषताओं की ओर इशारा करके या किसी को अपमानजनक उपनाम देकर उदाहरण न पेश करें। बच्चे इसे समझ लेते हैं और ऐसा कर सकते हैं या अपने शरीर को लेकर असहज महसूस कर सकते हैं। इसके बजाय, अपने बच्चे और दूसरों में जो अच्छे गुण आप देखते हैं, उनकी प्रशंसा करें।

एक अच्छा उदाहरण स्थापित करें

आप अपने और दूसरों के शरीर को किस तरह महत्व देते हैं, यह आपके बच्चे के दिमाग में अंकित हो सकता है। उन्हें बताएं कि सक्रिय रहने और स्वस्थ आहार लेने का उद्देश्य सिर्फ़ बेहतर दिखना नहीं है, इसके और भी कई फायदे हैं।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी सीमित रखें

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे सोशल मीडिया पर जो कुछ भी देखते हैं, उससे प्रभावित हो रहे हैं। ट्रेंडी बनने की कोशिश में, बच्चे असुरक्षित और असुरक्षित हो जाते हैं, और उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ सकता है। अपने बच्चे के लिए नियम निर्धारित करें और बताएं कि वह सोशल मीडिया का किस प्रकार उपयोग करता है तथा वह किस प्रकार की सामग्री पोस्ट करता है।

साथियों के दबाव से निपटना

माता–पिता के तौर पर, यह जानना अच्छा है कि आपका बच्चा किसके साथ दोस्त है। अपने बच्चे को अपने दोस्तों को घर पर कुछ समय बिताने के लिए लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इस तरह, आप जान पाएंगे कि वे आपके बच्चे पर अच्छा या बुरा प्रभाव डाल रहे हैं या नहीं।

उन्हें सिखाएं कि नहीं कहना ठीक है

आपके बच्चे को यह जानना जरूरी है कि कुछ स्थितियों में नही कहना बिल्कुल ठीक है। और आप अपने निर्णयों में स्पष्ट और दृढ़ होकर उनके लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें अपने साथियों के साथ उसी भाषा का उपयोग करने की अनुमति देता है, अगर वे किसी चीज़ के बारे में असहज या अनिश्चित हैं।

उन्हें अपने मुद्दों पर बात करने का समय दें

शांत रहें और उनकी बात सुनें। उन्हें इन मुद्दों पर बात करने में सहज महसूस कराएँ। उनके नजरिए से इसे समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए उन्हें दोष न दें।

हर बच्चे को थोड़ी आजादी मिलनी चाहिए

बच्चे अपने आस–पास की दुनिया को जानने के लिए स्वतंत्र और स्वतंत्र होना चाहते हैं। माता–पिता के रूप में, आप परिभाषित कर सकते हैं कि कितना स्वीकार्य है। उनसे उन दोस्तों के बारे में बात करें जो उनके निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं और क्या यह सब इसके लायक है?

क्या मित्र सच्चा मित्र होता है?

अपने बच्चे को यह समझने में मदद करें कि सच्चा दोस्त क्या होता है। अगर यह दोस्त आपके बच्चे को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहा है जिसका उसे पछतावा हो या वह ऐसा बनने के लिए मजबूर कर रहा है जो वह नहीं है, तो क्या वह व्यक्ति वास्तव में दोस्ती के लायक है? अपने बच्चे के नजरिए से मुद्दों को समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए अपने बच्चों को दोष न दें।

अपने बच्चे को सुनिए

आपको अपने बच्चे की बात ध्यान से सुननी चाहिए कि वह बदमाशी के बारे में क्या कहता है। उसे गंभीरता से लें और शांति से सहानुभूति रखें। अपने बच्चे को यह भरोसा दिलाकर उसका समर्थन करें कि जो हो रहा है वह गलत है; आप उसे समस्या से निपटने में कुछ मदद दिलवाएंगे।

उनके साथ स्पष्ट और खुली चर्चा करें

अपने बच्चे से अपने अनुभवों के बारे में बात करें। उन्हें अपने जीवन में अन्य वयस्कों से बात करने के लिए प्रोत्साहित करें जिनके साथ वे करीब हो सकते हैं। इस तरह के रिश्ते को बनाए रखने की पूरी कोशिश करें जहाँ आप संचार के रास्ते खुले रखें।

समस्या का समाधान मिलकर करें

आप अपने बच्चे की मदद कर सकते हैं, बदमाशी के बारे में समस्या–समाधान बातचीत करके और साथ मिलकर इससे निपटने की रणनीति बनाकर। सक्रिय बातचीत करना और नियमित रूप से रणनीति पर चर्चा करना डर या गुस्से में प्रतिक्रिया करने से कहीं बेहतर है।

उन्हें सिखाएं कि बदमाशों से कैसे निपटें

ऐसे हालात से निपटने के लिए दूर चले जाना और धमकाने वाले से उलझना नहीं, सबसे बढ़िया तरीका है। गुस्सा या डर न दिखाने के लिए आप रोल–प्लेइंग का अभ्यास कर सकते हैं।

जानें कि बदमाशी के खिलाफ कैसे खड़ा होना है

जब आपके बच्चे को धमकाया जा रहा हो तो फबंद करोफ या बंद करो या फयह मजाक नहीं हैफ जैसे एक सरल वाक्यांश बहुत प्रभावी हो सकते हैं। उन्हें ऐसा कुछ कहने का तरीका खोजने के लिए प्रोत्साहित करें जो उन्हें सही लगे। उन्हें दूसरे व्यक्ति का अपमान करने की ज़रूरत नहीं है लेकिन बोलना शक्तिशाली है।

आम का मजा, ठंडक का एहसास जानिए आम पर्ना बनाने की रेसिपी

आम पर्ना एक स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक है, जिसे गर्मियों में खासतौर पर पीने का आनंद लिया जाता है। यह एक स्वादिष्ट आम का शरबत है, जो ना केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। खासकर जब आम का मौसम होता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। तो आइए, जानते हैं आम पर्ना बनाने की आसान सी रेसिपी :

सामग्री

1 पका हुआ आम (अल्फांसो या कोई भी मीठा आम)
1 कप ठंडा पानी
2–3 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
1/2 चम्मच भुना जीरा पाउडर
1/4 चम्मच काला नमक
1/4 चम्मच सादा नमक
1/2 चम्मच नींबू का रस
पुदीने की पत्तियां
बर्फ के टुकड़े

विधि

1. सबसे पहले, अच्छे से पका हुआ आम लें। आम को छीलकर उसका गूदा निकाल लें। ध्यान रखें कि आम पूरी तरह से पका हुआ हो ताकि उसका स्वाद मीठा और गाढ़ा हो।
2. अब आम के गूदे को एक मिक्सर जार में डालें। साथ ही उसमें ठंडा पानी डालें। अगर आप इसे थोड़ा पतला रखना चाहते हैं तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं।
3. मिक्सर में स्वादानुसार चीनी, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालें। यह मसाले आम पन्ना को एक अलग ही स्वाद देंगे।
4. अगर आपको थोड़ा खट्टापन पसंद है तो नींबू का रस भी डाल सकते हैं। यह आम पन्ना को और भी ताजगी और स्वाद देगा।
5. अब सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, ताकि आम का गूदा और मसाले एकदम अच्छे से मिल जाएं। मिक्सर को 1–2 मिनट तक चलाएं, ताकि एक स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाए।
6. अगर मिश्रण बहुत गाढ़ा हो, तो इसमें थोड़ा और ठंडा पानी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब आपका आम पन्ना तैयार है।

आम पन्ना को गिलास में डालें और ऊपर से पुदीने की पत्तियां डालकर सजाएं। आप इसे बर्फ के टुकड़ों के साथ भी सर्व कर सकते हैं, ताकि गर्मी में ठंडक मिले। इस आसान रेसिपी को ट्राई करें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लें!

बच्चों को बनाना है संस्कारी, तो माता–पिता अपनाएं ये टिप्स

हर माता पिता अपने बच्चे से बहुत अधिक प्रेम करते हैं। अभिभावक हमेशा चाहते हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ और सुखी रहे। बच्चे की खुशियों के लिए वह उनकी लगभग सभी मांगें भी पूरी करना चाहते हैं। इसके अलावा उनके उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। लेकिन अक्सर माता पिता बच्चे के प्रेम में कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जो बच्चे के व्यवहार पर दुष्प्रभाव डालता है। बच्चे के पालन पोषण के दौरान उनकी हर जरूरत को पूरा करने के साथ ही बड़ी छोटी मांगों को पूरा करना, उनकी गलतियों को नजरअंदाज करना, उनके जिद्दी और गुस्सैल रवैए को बिना रोक टोक अपना लेने से बच्चा बिगड़ने लगता है और उसका भविष्य भी खराब होने लगता है। ऐसे में माता पिता को चाहिए कि वह बचपन से बच्चे को संस्कार और अनुशासन सिखाएं, ताकि बच्चा एक आदर्श इंसान, अच्छा बेटा और सफल नागरिक बन सके। चलिए जानते है कि बच्चे को संस्कारी और अनुशासित बनाने के लिए अभिभावक को क्या करना चाहिए।

बड़ों से अनुमति लेना सीखें

बच्चे अगर अपने मन मुताबिक कार्य करना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं लेकिन छोटी उम्र में उन्हें सही गलत का पता नहीं होता। ऐसे में मन मर्जी से किया हुआ कार्य गलत राह पर भी ले जा सकता है। इसलिए माता पिता को बच्चों में शुरुआत से पूछकर कार्य करने की आदत डलवानी चाहिए। भोजन करने से पहले माता पिता की अनुमति, बाहर खेलने जाने के लिए माता पिता की अनुमति लेनी चाहिए। बड़ों से पूछने की आदत डालना बच्चों को संस्कारी बना देता है। हालांकि अभिभावकों को भी बच्चों की पसंद और इच्छा का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चे अनुमति मांगे तो माता पिता को उनकी सलाह लेनी चाहिए कि वह क्या करना चाहते हैं।

गलती पर रोकें

अक्सर बच्चे गलती पर रोके न जानें, डांट न पड़ने और अधिक लाड प्यार के कारण बिगड़ते हैं। छोटी उम्र में जब बच्चे तोतली जुबान से बड़ों के नाम लेते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। लेकिन बच्चे को उसी उम्र में रोकें कि वह बड़ों के नाम से नहीं बल्कि रिश्ते के संबोधन से ही बुलाएं। बच्चे की गलतियों पर हंसने या उसे इग्नोर करने के बजाय पहली बार ही अगर माता पिता बच्चे को टोंक देंगे तो वह गलती नहीं दोहराएगा।

सभी का सम्मान करें

बच्चों को संस्कार सिखाने के लिए सबसे जरूरी है कि उन्हें बड़ों और अपने से छोटों का सम्मान करना सिखाएं। अगर बच्चा सम्मानपूर्वक कोई बात न पूछे, रोए– चिल्लाए और पैर पटक कर बात करे, तो अपना फैसलना न बदलें। बल्कि उन्हें समझाएं कि इस तरह के उनकी कोई बात नहीं मानी जाएगी। किसी भी कार्य को सही तरीके से करने के लिए उन्हें सभी को सम्मान देना चाहिए। इस बात का पाठ पढ़ाने से बच्चा अपने गलत व्यवहार को बदल सकता है।

चिल्लाकर या क्रोध में बात न करें

अक्सर छोटे बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाकर बात करते हैं। लाड प्यार के कारण क्रोध करना सीख जाते हैं और किसी से भी क्रोध में बात करने लगते हैं। अगर उनके चिल्लाने या गुस्सा करने से आप उनकी बातें मान लेते हैं तो बच्चा हर बार यही व्यवहार करता है। बचपन में तो इस तरह का व्यवहार संभाला जा सकता है लेकिन बड़े होने पर भी बच्चे में क्रोध और चिल्ला कर बात पूरी कराने की आदत बन सकती है। इसलिए उन्हें गुस्से पर नियंत्रण करना सिखाएं।

शेयर करना सीखें

बच्चा अपने माता पिता का प्यार किसी दूसरे से साझा नहीं करना चाहिए। कम उम्र में जब बच्चे का छोटा या बड़ा भाई– बहन या दूसरे बच्चों के साथ उन्हें रखा जाता है, तो वह अपने माता पिता को दूसरे बच्चे से लाड प्यार करते देख चिढ़ते हैं। इसके अलावा घर पर दो या दो से अधिक हमउम्र बच्चों की लड़ाई की एक वजह भी यही होती है कि वह एक दूसरे से अपनी चीजें साझा नहीं करना चाहते। ऐसे में बच्चे को शेयरिंग सिखाएं। दूसरे से अपनी चीजें बांटना, कुछ खाने पीने से पहले दूसरों से पूछना और स्वार्थ न दिखाना, यह सब बच्चों में अच्छे संस्कार के गुण बनते हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट: ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके। इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे।

इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे। नाथन स्मिथ ने 3 और विल

ओरूर्के ने 2 विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

नॉर्वे चेस चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय बने प्रग्गनानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे) ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार वापसी करते हुए नॉर्वे चेस चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अंतिम राउंड में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर प्रग्गनानंदा ने खिताबी जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दौर में प्रग्गनानंदा ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। मध्य खेल में कीमर की कुछ गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए उन्होंने 45वीं चाल में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंक हासिल किए और खिताब पर कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट में उनके खाते में पांच जीत, दो हार और दो ड्रॉ रहे। दोनों ड्रॉ मुकाबलों के बाद खेले गए आर्मागेडन मैचों में भी उन्होंने जीत दर्ज की।टूर्नामेंट में सबसे कड़ी चुनौती अमेरिका के वेस्ली सो से मिली। अंतिम राउंड से पहले वेस्ली सो बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन आखिरी मुकाबले में अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण वह 17 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने पूरे टूर्नामेंट में दो जीत और आठ ड्रॉ खेले, जबकि

छह आर्मागेडन मुकाबलों में जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक जुटाए। फ्रांस का प्रतिनिधित्व करने वाले अलीरेजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता में विशेष अंक प्रणाली लागू थी, जिसमें जीत पर तीन अंक, ड्रॉ पर दोनों खिलाड़ियों को एक-एक अंक तथा आर्मागेडन मुकाबला जीतने वाले खिलाड़ी को एक अतिरिक्त बोनस अंक दिया जाता था।दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन अपने घरेलू टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहे। कार्लसन ने अंतिम दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराया, लेकिन कुल 13 अंकों के साथ चौथे स्थान से आगे नहीं बढ़ सके। उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट में प्रग्गनानंदा ने कार्लसन को दो बार हराकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

तपती गर्मी में केएल राहुल का शतक, अफगानिस्तान के खिलाफ धैर्य और क्लास का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

न्यू चंडीगढ़ के मुल्लानपुर स्टेडियम में जब तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा था, तब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। इस कठिन परिस्थितियों वाली पारी में उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 12वां और अंतरराष्ट्रीय करियर का 22वां शतक जड़ा। तेज गर्मी और उमस से भरे इस मुकाबले में बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। शुरुआती ओवरों में अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने अच्छी स्विंग और गति से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया, लेकिन केएल राहुल ने संयम से काम लेते हुए पारी को संभाला। उन्होंने जल्दबाजी के बजाय विकेट पर समय बिताया और धीरे-धीरे अपनी पारी को मजबूती दी।जैसे-जैसे धूप तेज होती गई, राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। उन्होंने स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ शानदार डिफेंस और सटीक शॉट चयन से रन बटोरे। 98 रन पर पहुंचने के बाद पूरा स्टेडियम उनकी सेंचुरी का इंतजार कर रहा था, और 61वें ओवर में उन्होंने दो रन लेकर अपना शतक पूरा किया। हालांकि शतक पूरा करने के तुरंत बाद वह ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और 100 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी इस पारी में 165 गेंदों पर 11 चौके शामिल रहे। शतक के बाद गर्मी और थकान के कारण राहुल बेहद थके हुए नजर आए।

अंडर-18 विमेंस एशिया कप: भारतीय महिला टीम ने ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा, कोरिया को 3-0 से दी मात

काकामिगाहारा।

अंडर-18 विमेंस एशियन कप में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मलेशिया को पहले मैच में हराने के बाद भारत ने पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए इस मुकाबले में नौशीन नाज, श्रुति कुमारी, और किरण एक्का ने गोल दागा। मैच की शुरुआत ही भारतीय टीम के लिए शानदार रही। शुरुआती क्वार्टर में टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसका पूरा फायदा नौशीन ने उठाया और मैच के चौथे ही मिनट में गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। 21वें मिनट में श्रुति ने शानदार गोल किया, जिससे भारत को हाफ-टाइम ब्रेक तक 2-0 की आरामदायक बढ़त मिल गई। ब्रेक के बाद कोरिया ने वापसी की कोशिश की और तीसरे क्वार्टर में स्कोर 2-1 कर दिया, जब ग्योंगमिन रयू ने 41वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, भारत ने जल्द ही दो गोल की बढ़त वापस पा ली। प्लेयर ऑफ द मैच रहीं किरण एक्का ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील किया, जिससे भारत की बढ़त 3-1 हो गई और मुकाबला पूरी तरह से उनके कंट्रोल में आ गया। भारतीय टीम आखिरी क्वार्टर में भी अनुशासन में रही, और कोरिया को कोई और गोल करने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने मैच के दौरान चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया, जबकि कोरिया ने दो पेनल्टी कॉर्नर जीते। मलेशिया और कोरिया के

खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीतने के बाद भारत अब छह पॉइंट्स के साथ पूल ए स्टैंडिंग में पहले स्थान पर आ गया है। टीम ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में 2 जून को सिंगापुर से भिड़ेगी, जहां भारतीय टीम की कोशिश अपने विजयी अभियान को लगातार तीसरे मैच में बरकरार रखने की होगी।

संक्षिप्त समाचार

अजीत अगरकर का बड़ा बयान: वैभव सूर्यवंशी को फिलहाल सिर्फ टी20 में मौका

टेस्ट करियर पर लगाई ब्रेक

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट करियर को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पहली बार भारतीय टी20 टीम में शामिल किए गए वैभव को लेकर जब उनके टेस्ट भविष्य पर सवाल पूछा गया, तो अगरकर ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल उनका चयन केवल छोटे प्रारूप यानी टी20 क्रिकेट के लिए किया गया है। अजीत अगरकर ने साफ कहा कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और रेड बॉल क्रिकेट में उनका अनुभव सीमित है। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अधिक मैच खेलने और लंबे प्रारूप में खुद को तैयार करने के बाद ही उनके टेस्ट करियर पर विचार किया जाएगा। अगरकर के अनुसार, ÷अभी जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है, उन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ने दिया जाएगा।÷ उन्होंने आगे वैभव की प्रतिभा की जमकर सराहना की और कहा कि लगातार दो आईपीएल सीजन और अंडर-19 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। अगरकर ने माना कि उनकी क्षमता और निरंतरता ने ही उन्हें टीम इंडिया में जगह दिलाई है।वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए और 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से सभी का ध्यान खींचा। उनके इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। टीम इंडिया को अब आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को दो टी20 मैच खेलने हैं, जबकि इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। माना जा रहा है कि इन सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिल सकता है। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव को सीमित ओवरों के प्रारूप में तैयार करना सही कदम होगा, जिससे वह भविष्य में लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बने रह सकें।

बीसीसीआई ने घोषित की टी20 टीम, श्रेयस अय्यर बने नए कप्तान; सूर्यकुमार यादव बाहर

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज तथा एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस बार चयन समिति ने बड़ा फैसला लेते हुए सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान नियुक्त किया है। वहीं, तिलक वर्मा को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीम चयन के साथ कई चौंकाने वाले फैसले भी सामने आए हैं, जिन्होंने क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाए जाने का फैसला उनके हालिया आईपीएल प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने लगातार अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है। तिलक वर्मा को उपकप्तानी देकर चयनकर्ताओं ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जबकि अक्षर पटेल को इस भूमिका से हटाया गया है। सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मिली जगह को लेकर है, जिन्होंने आईपीएल 2026 में 16 मैचों में 776 रन बनाकर 237 के स्ट्राइक रेट से धमाकेदार प्रदर्शन किया था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने

आईपीएल से टीम इंडिया तक का सफर:

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी है। इस चयन में सबसे बड़ा आकर्षण 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के दम पर तीनों स्क्वॉड में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वे भारतीय टीम में चुने जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उनके चयन ने क्रिकेट जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। वैभव के साथ ही एक और युवा खिलाड़ी ने पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया है। आईपीएल 2026 में अपनी रफ्तार और सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले प्रिंस ने चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किया।

आईपीएल 2026 प्रिंस यादव के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जहां उन्होंने 14 मैचों में 16 विकेट झटके और अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज बने। मुश्किल परिस्थितियों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता ने उन्हें राष्ट्रीय टीम तक पहुंचा दिया। प्रिंस यादव की यात्रा संघर्षों से भरी रही है। उनके पिता चाहते थे कि वह पुलिस सेवा में जाएं, लेकिन प्रिंस का सपना क्रिकेटर बनने का था। टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरुआत

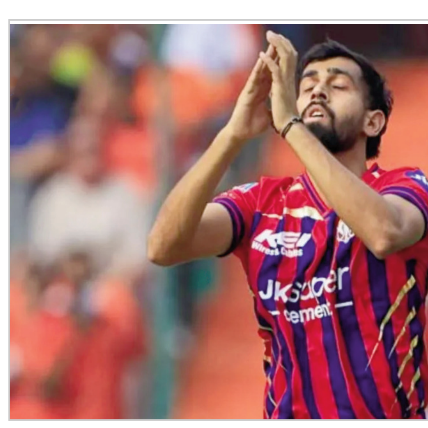

करने वाले प्रिंस ने 18 साल की उम्र में लेदर बॉल से गेंदबाजी शुरू की और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई।

हालांकि उनके करियर में एक बड़ा झटका तब लगा जब उम्र विवाद के चलते उन पर दो साल का प्रतिबंध लगा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। दिल्ली प्रीमियर लीग, रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें आईपीएल में मौका मिला। अब प्रिंस यादव टीम इंडिया की नीली जर्सी में अपने सपनों को साकार करने के लिए तैयार हैं, जबकि वैभव सूर्यवंशी का उदय भारतीय क्रिकेट के भविष्य की नई उम्मीद बनकर सामने आया है।

श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान

आकिब नबी और कई युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे। बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ विदर्भ के अमन मोखाड़े और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा बल्लेबाजों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा। गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को शामिल किया गया है। गुरनूर बरार को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जीशान अंसारी, सारांश जैन और ऑलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में टीम की ताकत बढ़ाएंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

ऋषभ पंत ने खेला 50वां टेस्ट, भारतीय विकेटकीपरों के खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली ।

भारत और अफगानिस्तान के बीच न्यू चंडीगढ़ स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। मैदान पर उतरते ही पंत ने अपना 50वां टेस्ट मैच खेला और भारतीय क्रिकेट के एक प्रतिष्ठित क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत अब भारत के लिए 50 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले केवल तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज विकेटकीपरों महेंद्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026: मीनाक्षी और दीपक करेंगे टूर्नामेंट के स्टेज 2 में भारतीय टीम का नेतृत्व

नई दिल्ली।

विश्व की नंबर एक महिला मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी मुक्केबाज दीपक 15 जून से 21 जून तक चीन के गुइयांग में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026 (स्टेज 2) में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत इस इवेंट में पिछले वर्ल्ड कप साइकिल में सफल प्रदर्शन के बाद उतर रहा है, जिसमें उन्होंने अलग-अलग स्टेज में कई मेडल जीते थे और फाइनल में कुल मिलाकर शानदार प्रदर्शन किया था। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक मजबूत भारतीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा और उभरते हुए बॉक्सरों को भी शामिल किया गया है। विश्व रैंकिंग के अनुसार, टॉप-10 मुक्केबाजों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। सबसे बड़ी उपलब्धि महिला मुक्केबाजों की है। दुनिया के टॉप-3 खिलाड़ियों में शामिल भारतीय महिला मुक्केबाजों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके कारण भारत इस श्रेणी में दुनिया में पहले स्थान पर है। यह उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय मुक्केबाज, खासकर महिला खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि भारत की मुक्केबाजी टीम विश्व स्तर पर मजबूत दावेदार बन चुकी है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाजों को कीमती रैंकिंग पॉइंट्स कमाने और इस जरूरी प्रतिस्पर्धी सीजन के दौरान अपनी रफ्तार बनाए रखने का एक अहम मौका देगा। स्क्वाड के बारे में बात करते हुए बीएफआई प्रेसिडेंट अजय सिंह ने कहा, ÷वर्ल्ड बॉक्सिंग कप हमारे एथलीट्स के लिए टॉप इंटरनेशनल प्रतियोगिता के खिलाफ खुद को परखने का एक अहम प्लेटफॉर्म है। हमने जो सिस्टम और स्ट्रक्चर बनाए हैं, वे अब लगातार नतीजों में बदल रहे हैं, जिसमें सभी वेट कैटेगरी में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। हम पहले जैसी गहराई देख रहे हैं, और यह निरंतरता भारत को दुनिया के लीडिंग बॉक्सिंग देशों में से एक के तौर

पर खुद को बनाने में मदद कर रही है।÷ महिला डिवीजन में मीनाक्षी (51 किलोग्राम) पूनम (54 किलोग्राम), प्राची (57 किलोग्राम), और माही लामा (60 किलोग्राम) के साथ एक टैलेंटेड ग्रुप की अगुवाई कर रही हैं। टीम को स्नेह (65 किलोग्राम), गीतिमोनी जी (70 किलोग्राम), सनमाचा सी (75 किलोग्राम), नैना (80 किलोग्राम), और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (+80 किलोग्राम) ने और मजबूत किया।

चोट के चलते कोहली अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

यशस्वी जायसवाल को मिला मौका

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चोट के कारण इस सीरीज से आधिकारिक रूप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयन समिति ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया है। विराट कोहली को आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हालांकि उन्होंने उस मैच में नाबाद 75 रन की मैच विजयी पारी खेली थी, लेकिन पारी के दौरान वह फिटनेस समस्या से जूझते नजर आए थे। इसके बाद से ही उनके वनडे सीरीज में खेलने पर संशय बना हुआ था। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोहली की रिकवरी को लेकर अभी कोई निश्चित समयसीमा नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि वे इंग्लैंड सीरीज तक फिट हो सकते हैं। कोहली की जगह शामिल किए गए यशस्वी जायसवाल ने अपना पिछला वनडे 6 दिसंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने नाबाद 116 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। अब तक खेले गए 4 वनडे मैचों में वे 171 रन बना चुके हैं। टीम में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या की उपलब्धता भी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। दोनों खिलाड़ियों को सीरीज से पहले बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। हार्दिक पांड्या पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग समस्या से जूझ रहे हैं।

इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा

सलमान खान के भांजे व अभिनेता इमरान खान अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म से इमरान बतौर लीड एक्टर एक लंबे अरसे बाद वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस तो उत्साहित हैं ही, लेकिन फैंस से भी ज्यादा उत्साहित खुद भूमि पेडनेकर हैं। यही नहीं भूमि ने इमरान खान को लेकर भी बात की और बताया कि उन्हें इमरान पर जबरदस्त क्रश था। हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने इमरान खान पर अपने क्रश के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे उन पर बहुत बड़ा क्रश था। उनकी सभी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में वो सबसे बेहतरीन लगते थे। आजकल ऐसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्में बनती ही नहीं हैं। भूमि के लिए इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। अभिनेत्री अक्सर इमरान के काम की फैन होने की बात कहती रही हैं।

15 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे इमरान

इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म 'जाने तू या जाने ना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म 'कट्टी बट्टी' में लीड एक्टर के तौर पर नजर आए थे।

कृष्णा ने क्यों भाई टाइगर श्रॉफ को कहा साइको? सख्त लाइफस्टाइल को लेकर की खुलकर बात

टाइगर श्रॉफ अपने फिटनेस लेवल से फैंस को हमेशा हैरान करते रहते हैं। एक्टर अपनी फिल्मों में अक्सर खुद ही स्टंट करते हैं और अपनी लाइफ में बेहद सख्त रूटीन फॉलो करते हैं। उनकी बहन और रियलिटी टीवी स्टार कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में बताया कि टाइगर इतने डिसिप्लिन्ड हैं कि अपने बर्थडे पर भी केक नहीं खाते, सिर्फ उसे सूंघते हैं।

टाइगर को नहीं आती कुकिंग

हाल ही में एक इंटरव्यू में कृष्णा ने टाइगर की असली जिंदगी की झलक दिखाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या टाइगर किचन में समय बिताते हैं, तो वह हंस पड़ीं और बोलीं, 'वो खाना नहीं बनाते। उन्हें तो अंडा बनाना भी नहीं आता। सच में, वो शायद मुझे ये कहने पर मार ही देंगे, लेकिन उन्हें अंडा बनाना भी नहीं आता।'

कृष्णा ने टाइगर की लाइफस्टाइल पर ये कहा

टाइगर की सख्त लाइफस्टाइल के बारे में बात करते हुए कृष्णा ने बताया कि वो कभी भी स्नैकिंग नहीं करते। उन्होंने कहा, 'देखिए, वो हर रात एक ही समय पर सोते हैं और फिर उठकर कुछ खाने-पीने या स्नैक करने का सवाल ही नहीं उठता। मैं हमेशा कहती हूं कि एक तरफ बहुत ज्यादा डिसिप्लिन होता है और दूसरी तरफ नॉर्मल लाइफ। टाइगर पहले वाले हैं, यानी बहुत ज्यादा डिसिप्लिन्ड, और मैं बीच में हूं।' कृष्णा ने एक और चौंकाने

वाली बात बताई कि टाइगर अपने बर्थडे पर भी मिठाई नहीं खाते। उन्होंने कहा, 'वो अपने बर्थडे पर केक को सिर्फ सूंघते हैं, खाते नहीं हैं। मुझे तो ये थोड़ा पागलपन लगता है।'

टाइगर श्रॉफ का वर्कफ्रंट

फिलहाल टाइगर अपनी अगली फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जाह्नवी कपूर और लक्ष्य नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लक्ष्य के लुक में बदलाव की वजह से फिल्म की शूटिंग अब अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। पहले इस फिल्म को करण जौहर डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन अब वो सिर्फ इसके प्रोड्यूसर हैं।

सच को ढूंढने निकले अली फजल, 12 जून से स्ट्रीम करेगी 'राख'

अली फजल और सोनाली बेंद्रे स्टारर आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज 'राख' की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। घोषणा के बाद से ही फैंस इस सीरीज के बारे में हर अपडेट जानने का इंतजार कर रहे थे। अब अंततः मेकर्स ने सीरीज की रिलीज डेट जारी कर दी है।

मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर सीरीज से अली फजल का एक पोस्टर साझा किया गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उनके सामने एक लाश जैसी पड़ी मालूम हो रही। अली काफी इंटेंस और परेशान नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेते हैं।' 'राख' 12 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। 'राख' एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा सीरीज है, जो अपराधी की मानसिकता और आम जिंदगी के पीछे छिपे डार्कनेस को दिखाती है। जब दो लड़के अचानक गायब हो जाते हैं, तो एक खुशहाल परिवार टूट जाता है और पूरा शहर दहशत में आ जाता है। सच्चाई तक पहुंचने के लिए एक इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर देशभर में तलाश अभियान शुरू करता है। जैसे-जैसे वह मामले की गहराई में जाता है, यह केस उसे हिंसा और इंसानी क्रूरता की एक भयावह दुनिया में खींच लेता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ-साथ और भी इंटेस होती जाती है।

मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं बाबिल खान

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है।

मलयालम सिनेमा से प्रभावित हैं बाबिल

अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं।

मलयालम सिनेमा की तारीफ की

उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

मेरी जिंदगी में कई पार्टनर हैं, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं

एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने इंटरव्यू में शहाना ने कहा, 'फिलहाल मेरी जिंदगी में ऐसा कोई एक खास पार्टनर नहीं है। मेरी जिंदगी में कई लोग हैं, जिनसे मेरा लंबे समय से जुड़ाव है, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं। मेरे लिए कोई भी रिश्ता हल्का या टाइमपास नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए ओपननेस का मतलब यह है कि किसी एक इंसान के साथ तय रिश्ता जरूरी नहीं है, लेकिन लोगों के साथ जुड़ाव और अपनापन बना रहता है। कभी वह सिर्फ दोस्ती होती है, कभी रिश्ता थोड़ा और गहरा भी हो सकता है। हर चीज को किसी एक नाम या दिशा में बांधना जरूरी नहीं है। सबसे जरूरी चीज प्यार और दोस्ती है। मेरे लिए दोस्त वही है, जिसके लिए दिल में सच्चा अपनापन हो।'

ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग से इनकार किया

शहाना गोस्वामी से जब ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग यानी अचानक रिश्ता खत्म कर देने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'असल में ऐसा नहीं होता। मैं लोगों को इग्नोर नहीं करती। इस तरह की जिंदगी अचानक नहीं मिलती। यहां तक पहुंचने के लिए इंसान को खुद पर बहुत काम करना पड़ता है। बाहर से यह आसान लगता है, लेकिन अपने अंदर की जलन और असुरक्षाओं का सामना करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'मैं उन लोगों से अलग हूं, जिनसे वे पहले मिले हैं। मेरी वजह से कई लोगों की असुरक्षाएं बाहर आ जाती हैं। मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती, लेकिन मेरी आजादी लोगों को खुद के बारे में सोचने पर मजबूर करती है और हर कोई इसके लिए तैयार नहीं होता।' शहाना ने कहा कि कम उम्र में ही उन्हें ओपन रिलेशनशिप के बारे में समझ आ गई थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे हमेशा लगा कि प्यार आजाद होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि रिश्ता किसी इंसान को बांध दे या उसकी जिंदगी सीमित कर दे। इसी सोच ने मेरे रिश्तों और उन्हें निभाने के तरीके को तय किया है।' उन्होंने बताया कि उनके कई ओपन रिलेशनशिप पार्टनर्स एक-दूसरे से मिल चुके हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रिश्ते तभी चल पाते हैं, जब उनमें ईमानदारी और खुलकर बातचीत हो। शहाना ने यह भी कहा कि लोग अक्सर यह सोच लेते हैं कि उनकी जिंदगी आसान है या उन्हें कभी मुश्किल भावनाओं का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। उनके मुताबिक, आजादी का मतलब मुश्किलों से भागना नहीं होता। असली आजादी तब आती है, जब इंसान अपनी परेशानियों, डर और भावनाओं का सामना करता है और उनसे भागता नहीं। शहाना का कहना है कि बाहर से देखने वाले लोग अक्सर इसी बात को समझ नहीं पाते।

बॉबी देओल ने किया खुलासा कब रिलीज हो सकती है 'जन नायकन'

इस साल जनवरी में रिलीज होने जा रही फिल्म 'जन नायकन' कई विवादों के बाद रिलीज नहीं हो पाई। फिल्म के लीड एक्टर थलापति विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। उनके फैंस अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो जाए। इसी बीच फिल्म में विलेन का रोल करने वाले बॉबी देओल ने अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म कब रिलीज होने जा रही है।

लीक होने का बहुत दुख हुआ

अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बॉबी ने बताया कि फिल्म 'जन नायकन' कब रिलीज होगी? बॉबी ने कहा, 'यह फिल्म चुनाव से पहले विजय की आखिरी फिल्म होने वाली थी, लेकिन समझ नहीं आया कि कैसे इसकी रिलीज में देरी हो गई? फिर यह लीक भी हो गई, जिसका हम सभी को बहुत दुख हुआ। अब तो यह फिल्म कब रिलीज होगी इसकी कोई जानकारी मुझे अब तक मिली नहीं है। हो सकता है कि यह अगले महीने विजय के जन्मदिन पर रिलीज हो जाए।'

विजय जो चाहते थे हासिल किया

वहीं जब बॉबी से पूछा गया कि सेट पर विजय के साथ उनकी बॉन्डिंग कैसी थी? तो एक्टर ने कहा, 'मैं उनको इतनी अच्छी तरह से जानता नहीं। सेट पर बहुत कम बात होती थी। वो बहुत चप रहते हैं पर मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने वो हासिल किया, जो वो चाह रहे थे। जिस तरह वो चुनाव में जीते हैं, यह अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

कब है थलापति का जन्मदिन?

थलापित विजय इस साल 22 जून को अपना 52वां जन्मदिन मनाने वाले हैं। ऐसी खबरें हैं कि यह फिल्म उनके जन्मदिन से कुछ दिन पहले 19 जून को रिलीज हो सकती है, पर इस बारे में अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। अब बॉबी का यह बयान फिल्म के रिलीज होने की खबर पुख्ता करता है।

क्या है 'जन नायकन' विवाद?

एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' को अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। यह फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सीबीएफसी से समय पर सर्टिफिकेट न मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। फिल्म की रिलीज के समय सेंसर बोर्ड ने अचानक इसे हरी झंडी देने से इनकार कर दिया। सेंसर पैनल के अधिकांश सदस्य इसे ',' सर्टिफिकेट देने के पक्ष में थे, लेकिन बोर्ड के एक सदस्य ने फिल्म में कथित रूप से धार्मिक सौहार्द्र बिगड़ने और भारतीय सेना के गलत चित्रण को लेकर आपत्ति जताई, जिससे फिल्म की रिलीज रोक दी गई।

कोर्ट तक पहुंचा मामला

सेंसर सर्टिफिकेट में देरी को लेकर फिल्म के निर्माताओं ने मद्रास हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। विवाद काफी लंबा खिंच गया, जिसके कारण 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म अब पांच महीने बीत जाने के बाद भी अटकी हुई है। 'जन नायकन' में थलापति विजय के अलावा पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू और प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

5 जून को रिलीज होगी 'बंदर'

बॉबी देओल जल्द ही अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'बंदर' में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 'समर' नाम के एक ऐसे पॉप स्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका करियर खत्म हो चुका है। वह अपनी पुरानी लोकप्रियता को वापस पाने के लिए बेताब है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब एक महिला उस पर रेप का आरोप लगाती है। अब कौन सच बोल रहा है और क्या झूठ है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी और सबा आजाद भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

एसजीसीसीआई को नया नेतृत्व, अशोक जीरावाला ने अध्यक्ष और रवि राज देसाई उपाध्यक्ष का पदभार संभाला

निखिल मद्रासी के सफल कार्यकाल का समापन; उद्योग हित, नवाचार और वैश्विक संपर्कों को नई दिशा देने पर जोर

लोकतेज, संवाददाता, सूरत। दक्षिण गुजरात की अग्रणी औद्योगिक संस्था द सदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में नेतृत्व परिवर्तन के तहत वरिष्ठ उद्योगपति अशोक जीरावाला ने अध्यक्ष पद और युवा उद्योगपति रवि राज देसाई ने उपाध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया है। सरसाना स्थित सूरत इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में यह जिम्मेदारी पूर्व अध्यक्ष निखिल मद्रासी ने औपचारिक रूप से सौंपी।

समारोह में कई प्रमुख हस्तियां रहीं मौजूद

समारोह में समारोह में केन्द्रिय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटील, उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी, सुप्रिम कोर्ट के न्यायधिश जे.के. माहेश्वरी , उद्योगपति आनंद देशपांडे , बालाजी वेफर्स के संस्थापक चंदूभाई विरानी , राज्यसभा सांसद गोविंद ढोलकिया सहित कई उद्योगपति, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निखिल मद्रासी का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा रहा

वर्ष 2025-26 के दौरान निखिल मद्रासी के नेतृत्व में एसजीसीसीआई ने उद्योग हितों, व्यापारिक गतिविधियों, प्रदर्शनियों और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उनके कार्यकाल में संगठन की गतिविधियों में विस्तार हुआ और दक्षिण गुजरात के उद्योग जगत की आवाज को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से प्रस्तुत किया गया।

टेक्सटाइल क्षेत्र की मजबूत आवाज माने जाते हैं अशोक जीरावाला

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक जीरावाला दक्षिण गुजरात के टेक्सटाइल उद्योग का जाना-पहचाना नाम हैं। वे फेडरेशन ऑफ गुजरात वीवर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं और लंबे समय से बुनकरों तथा टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाते रहे हैं। पिछले लगभग 20 वर्षों से चैंबर से जुड़े जीरावाला वर्ष 2025-26 में उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय रहे। उन्होंने उद्योगों के विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रतिनिधित्व किया। उनका मानना है कि टेक्सटाइल उद्योग को ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकों से जोड़कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाना समय की मांग है।

रवि राज देसाई बने सबसे युवा उपाध्यक्ष

नए उपाध्यक्ष रवि राज देसाई चैंबर के इतिहास में सबसे कम उम्र में इस पद तक पहुंचने वाले उद्योग प्रतिनिधियों में शामिल हैं। वे इंजीनियरिंग और प्रबंधन की मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि रखते हैं तथा विभिन्न औद्योगिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में वे कई उद्योग संगठनों और फाउंडेशनों में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहे हैं।

नए नेतृत्व की प्राथमिकताएं

उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाना, टेक्सटाइल, डायमंड, केमिकल और फार्मा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नई तकनीकों और नवाचार को बढ़ावा देना।

ऑटोमेशन और AI को बढ़ावा, उद्योगों को आधुनिक तकनीक, ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़कर उत्पादकता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक बाजारों से संपर्क मजबूत करना, दक्षिण गुजरात के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निवेश और साझेदारी के अवसरों से जोड़ना। युवा नेतृत्व और उद्यमिता को प्रोत्साहन, नई पीढ़ी के उद्यमियों को उद्योग संगठनों और आर्थिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ना। चैंबर के नए नेतृत्व ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने, तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन देने और दक्षिण गुजरात के व्यापारिक हितों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों पर और अधिक मजबूती से रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

50 लाख रुपये की लूटकांड का मास्टरमाइंड कुंदन भगत सूरत लाया गया

बिहार की बेउर जेल से ट्रांजिट कस्टडी पर लाकर शुरू हुई पूछताछ, बैंक से सोना-हीरा लूटने की बड़ी साजिश का भी खुलासा

लोकतेज, संवाददाता, सूरत। वराछा क्षेत्र स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) शाखा में 27 अप्रैल को हुई 50 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट के मामले में सूरत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

मामले के कथित मास्टरमाइंड कुंदन भगत को बिहार की बेउर जेल से कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सूरत लाया गया है। पटना की विशेष अदालत से अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने उसे ट्रांजिट कस्टडी में लेकर सूरत पहुंचाया, जहां उससे गहन पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, दिनदहाड़े हुई इस वारदात में हथियारबंद बदमाशों ने बैंक में घुसकर कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बनाया था तथा कुछ ही मिनटों में 50 लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए थे। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पहले ही तीन आरोपियों—शुभम ठाकुर, विक्रमजीत सिंह राजपूत और मितेशकुमार उर्फ महेशकुमार लखेंद्र राय—को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि पूरी वारदात की साजिश बिहार की जेल में बंद कुंदन भगत ने रची थी।

जेल में बैठकर बनाई गई थी डकैती की पूरी योजना

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, कुंदन भगत नवंबर 2025 से बिहार की बेउर जेल में बंद था। उस पर हथियार तस्करी, रंगदारी, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित आठ से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। बिहार में उसकी गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से AK-47 राइफल भी बरामद हुई थी। उसके खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) द्वारा गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत पूरक आरोपपत्र भी दाखिल किया जा चुका है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नहीं, आमने-सामने पूछताछ को दी गई प्राथमिकता

डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि आरोपी को सूरत लाने के लिए स्थानीय न्यायालयों और पटना की विशेष अदालत के बीच समन्वय किया गया। प्रारंभिक स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूछताछ का विकल्प रखा गया था, लेकिन जांच की गंभीरता को देखते हुए आमने-सामने पूछताछ को आवश्यक माना गया। इसके बाद सूरत पुलिस की विशेष टीम ने बिहार जाकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और आरोपी को कस्टडी में लेकर सूरत पहुंचाया।

सोना और हीरे लूटने की भी थी साजिश

जांच में यह भी सामने आया है कि कुंदन भगत देश के विभिन्न राज्यों से अपराधियों को संगठित कर उन्हें कोड नेम देता था तथा हथियारों के उपयोग का प्रशिक्षण देकर लूट की घटनाओं को अंजाम दिलाता था। पुलिस के अनुसार, गिरोह की योजना केवल नकदी लूटने तक सीमित नहीं थी। बैंक में मौजूद सोने और हीरे के आभूषणों की भी बड़ी लूट की साजिश रची गई थी, लेकिन परिस्थितियों के चलते आरोपी केवल नकदी लूटकर फरार हो गए।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस का कहना है कि मामले में अभी भी पांच से छह आरोपी फरार हैं। कुंदन भगत से आमने-सामने पूछताछ के दौरान लूट की शेष रकम, फरार साथियों के ठिकानों और पूरे नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस उसे अदालत में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा सके।

रिटायर्ड असिस्टेंट इंजीनियर पर एसीबी की बड़ी कार्रवाई

सूरत नगर निगम के पूर्व अधिकारी के खिलाफ आय से 70 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज, जांच तेज

लोकतेज, संवाददाता, सूरत। गुजरात एंटी करप्शन ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए सूरत नगर निगम के एक सेवानिवृत्त सहायक अभियंता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि संबंधित अधिकारी ने अपनी वैध आय की तुलना में 70.13 प्रतिशत अधिक संपत्ति एकत्रित की थी। मामले में सूरत शहर एसीबी पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

एसीबी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला सूरत नगर निगम में सहायक अभियंता (क्लास-3) के पद पर कार्यरत रहे और वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके रसिकभाई मगनभाई पटेल से संबंधित है। जांच में वर्ष 2011 से 2020 के बीच की उनकी आय और संपत्तियों का विस्तृत विश्लेषण किया गया।

नौ वर्षों की वित्तीय जांच में सामने आया मामला

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, 1 जनवरी 2011 से 31 मार्च 2020 तक की अवधि के दौरान रसिकभाई पटेल की आय, खर्च और संपत्तियों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि इस अवधि में उन्होंने अपनी ज्ञात और वैध आय के स्रोतों की तुलना में लगभग 68.98 लाख रुपये अधिक मूल्य की संपत्ति अर्जित की। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक यह संपत्ति उनकी वैध आय से 70.13 प्रतिशत अधिक है, जिसे एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति की श्रेणी में माना है।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

एसीबी ने आरोप लगाया है कि एक लोकसेवक के रूप में कार्य करते हुए रसिकभाई पटेल ने कथित रूप से अपने पद का दुरुपयोग कर अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त किया। इस संबंध में सूरत शहर एसीबी के पुलिस निरीक्षक के.जे. धडुक द्वारा आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन की होगी विस्तृत जांच

एसीबी सूत्रों के अनुसार, आगामी जांच में आरोपी की चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, बैंक लॉकरों तथा परिवार के सदस्यों या अन्य व्यक्तियों के नाम पर खरीदी गई संभावित बेनामी संपत्तियों की भी जांच की जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि जांच के दौरान अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय जानकारियां भी सामने आ सकती हैं।

नगर निगम के कर्मचारियों में चर्चा का विषय बनी कार्रवाई

सूरत नगर निगम के तकनीकी विभाग से जुड़े एक पूर्व अधिकारी के खिलाफ हुई इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक और सरकारी हलकों में चर्चा तेज हो गई है। एसीबी की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के मामलों में सख्ती के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, वहीं जांच एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नासीरनगर 'रहस्यमयी तोड़फोड़' मामले की होगी जांच, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन ने मांगी रिपोर्ट

मीडिया में मामला उछलने के बाद हरकत में आया मनपा प्रशासन, सीमांकन के लिए गई थी टीम; तोड़फोड़ किसने की, इसकी होगी पड़ताल

लोकतेज, संवाददाता, सूरत। कतारगाम क्षेत्र के नासीरनगर में कथित रहस्यमयी तोड़फोड़ का मामला पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गया है। मीडिया में लगातार खबरें सामने आने के बाद अब सूरत महानगरपालिका प्रशासन सक्रिय हुआ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मनपा की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन राजन पटेल ने नगर आयुक्त को पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

राजन पटेल ने स्पष्ट किया कि महानगरपालिका की टीम संबंधित स्थान पर केवल सीमांकन (डिमार्केशन) का कार्य करने गई थी। उनके अनुसार, मनपा की ओर से किसी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं की गई थी। प्रशासन ने केवल सीमांकन प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। ऐसे में वास्तविक तोड़फोड़ किसने की और किन परिस्थितियों में की गई, यह अब जांच का विषय है।

उन्होंने बताया कि संबंधित सीमांकन रेखा वर्ष 1980 में निर्धारित की गई थी। वर्तमान में उसकी स्थिति क्या है और उसके आधार पर की गई कार्रवाई कितनी उचित थी, इसकी भी जांच कराई जाएगी। इस संबंध में मनपा के वरिष्ठ अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कतारगाम जोन की सीमा में आने वाले क्षेत्र में सेंट्रल जोन द्वारा सीमांकन कार्य किए जाने के सवाल पर राजन पटेल ने कहा कि कई बार चौराहों और सीमा क्षेत्रों में यह स्पष्ट रूप से तय करना कठिन होता है कि कोई संपत्ति किस जोन के अधिकार क्षेत्र में आती है। इसलिए पूरे मामले की तथ्यात्मक जांच आवश्यक है। मनपा प्रशासन अब इस रहस्यमयी तोड़फोड़ के पीछे जिम्मेदार व्यक्तियों या परिस्थितियों का पता लगाने में जुट गया है। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डुमस में दीपक इजारदार ने किया वृक्षारोपण

50 से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, लोगों से हरियाली बढ़ाने की अपील

लोकतेज संवाददाता, सूरत। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डुमस-सुलतानाबाद के उद्योगपति एवं समाजसेवी दीपक इजारदार ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के 50 से अधिक पौधे लगाकर लोगों से प्रकृति संरक्षण और हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। दीपक इजारदार ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत के इंडोर स्टेडियम में अपने संबोधन के दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री की इस अपील से प्रेरित होकर उन्होंने तत्काल वृक्षारोपण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया।

डुमस-सुलतानाबाद क्षेत्र में आयोजित इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, प्रदूषण को कम करने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।दीपक इजारदार ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

मैत्री अस्पताल की जनरल बोर्ड बैठक आज, निदेशकों से ऑडिट और वित्तीय हिसाब की मांग उठने की संभावना

शेयरधारकों ने लाभांश, वित्तीय पारदर्शिता और प्रबंधन के कामकाज पर उठाए सवाल; बैठक पर सभी की नजरें

लोकतेज संवाददाता, सूरत। उधना-मगदल्ला रोड स्थित मैत्री अस्पताल में पिछले चार वर्षों के अंतराल के बाद 7 जून 2026 को जनरल बोर्ड बैठक आयोजित होने जा रही है। इस बैठक को लेकर अस्पताल के शेयरधारकों और भागीदारों के बीच खासा उत्साह और चर्चा का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में भागीदार अस्पताल प्रबंधन से वित्तीय हिसाब-किताब और स्वतंत्र ऑडिट की मांग उठा सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, मैत्री अस्पताल की स्थापना वर्ष 2019 में तीन प्रमुख संचालकों द्वारा की गई थी। बाद में अस्पताल के विस्तार और विकास के लिए अन्य निवेशकों एवं भागीदारों को भी जोड़ा गया। वर्तमान में अस्पताल से जुड़े लगभग 35 से 40 भागीदार वित्तीय पारदर्शिता और संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अस्पताल समूह के विस्तार के दौरान शहर के अन्य निजी अस्पतालों में भी भागीदारी प्राप्त कर संचालन शुरू किया गया। इस बीच कुछ शेयरधारकों का आरोप है कि पिछले कई वर्षों से उन्हें अस्पताल की वित्तीय स्थिति, लाभ-हानि के आंकड़ों तथा लाभांश वितरण के संबंध में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

कुछ भागीदारों का यह भी कहना है कि अस्पताल समूह के वित्तीय लेन-देन, फार्मेसी संचालन तथा बीमा संबंधी गतिविधियों का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाना चाहिए, ताकि सभी शेयरधारकों को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके।

शेयरधारकों का कहना है कि लंबे समय से जनरल बोर्ड बैठक नहीं होने के कारण कई महत्वपूर्ण प्रश्न लंबित हैं। भागीदार अब बैठक के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन से विस्तृत वित्तीय रिपोर्ट और संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में अस्पताल के लाभ, निवेश, विस्तार योजनाओं और शेयरधारकों को मिलने वाले संभावित लाभांश जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है। जनरल बोर्ड में कई भागीदार अस्पताल के खातों का स्वतंत्र ऑडिट कराने तथा वित्तीय लेन-देन की समीक्षा की मांग रख सकते हैं। इसके अलावा, कुछ शेयरधारक नियामक संस्थाओं का ध्यान भी इस मामले की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि, इन आरोपों और दावों पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में आज होने वाली जनरल बोर्ड बैठक को लेकर सभी संबंधित पक्षों की नजरें टिकी हुई हैं, जहां कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

RAJ IMPERIAL
DOLBY ATMOS
INOX
वराछा सरथाणा नेचर पार्क के पास
For Booking Movie Tickets @ Raj Imperial Inox Call On 02612577777

मस्तीभरी फुल कोमेडी हिन्दी फिल्म
है जवानी तो इश्क होना है
वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, पूजा हेगडे
ATMOS : 9.20 am, 10.20 am, 12.15 pm, 1.15 pm, 3.10 pm, 4.10 pm, 6.05 pm, 7.05 pm, 9.00 pm, 10.00 pm

जबरदस्त ऐक्शन थ्रीलर
पेड्डी
ATMOS : 10.05 am, 1.50 pm, 5.35 pm, 9.20 pm
रेग्युलर : 3.10 pm, 7.00 pm

चांद मेरा दिल
अनन्या पांडे, लक्ष्य
6.30 pm

बंदर
बोबी देओल का खतरनाक अभिनय
9.10 am, 3.35 pm, 9.30 pm

कृष्णावतारम-1
9.05 am, 9.10 pm

हिन्दी ऐक्शन थ्रीलर
HE-MAN AND THE MASTERS OF THE UNIVERSE
9.45 am, 12.40 pm, 10.40 pm

भूतबंगला
12.00 pm

पति पत्नि और वो दो
12.35 pm

सरगम
गुजराती : 3.10 pm

एनआरआई दुल्हन
गुजराती : 6.05 pm

यह समाचार पत्र स्वामी तास्सीलोक पब्लिकेशन्स की ओर से कुलदीप सनाढ्य द्वारा 3-4, गंगोत्री अपार्टमेंट, न्यू सिविल रोड, सूरत - 395001 (गुजरात) से प्रकाशित, कुलदीप सनाढ्य द्वारा संपादित तथा कुलदीप सनाढ्य द्वारा 152-153, श्री राम एस्टेट, मोजे भेदवाड़, पांडेसरा, सूरत-394221, गुजरात में मुद्रित है।